हिन्दी दैनिक

राजनीतिक दांव

RNI NO. : DELHIN/2022/86048

जीत सत्य की...

पेज 8 | सोशल मीडिया प्रेशर पर बनेगी फिल्म ... | वर्ष : 04 | अंक : 296 | नई दिल्ली, शनिवार , 26 अप्रैल 2025 | मूल्य : 2 : 00 रुपए | पृष्ठ : 08

भारत ने स्क्रैमजेट इंजन का 1000 सेकेंड तक किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अपने मिसाइलों के परीक्षणों की संख्या को बढ़ा दिया है। एक दिन पहले आईएनएस सूरत युद्धपोत पर मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की हैदराबाद स्थित प्रयोगशाला रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीएल ने 25 अप्रैल 2025 को हैदराबाद में नवनिर्मित अत्याधुनिक स्क्रैमजेट कनेक्ट टेस्ट फैसिलिटी (एसीपीटी) में 1000 सेकेंड से ज्यादा समय के लिए लंबी अवधि के एक्टिव कूल्ड स्क्रैमजेट सबस्केल कॉम्बस्टर का ग्राउंड परीक्षण किया है। ये ग्राउंड परीक्षण जनवरी 2025 में 120 सेकंड के लिए किए गए पहले के परीक्षण के बाद किया गया है। आज के सफल परीक्षण के साथ, सिस्टम जल्द ही पूर्ण पैमाने पर उड़ान योग्य कॉम्बस्टर परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा।

हाइपरसोनिक मिसाइल की क्षमता बढ़ाने में मिलेगी मदद

भारत में पहली बार 1000 सेकेंड के लिए अत्याधुनिक एक्टिव-कूल्ड स्क्रैमजेट कॉम्बस्टर का सफल जमीनी परीक्षण किया गया है। इस परीक्षण को भारत की अगली पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइल की क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बता दें कि, स्क्रैमजेट हाइपरसोनिक मिसाइलों की अहम कड़ी है।

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ को दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए डीआरडीओ, उद्योग भागीदारों और शिक्षा जगत की सराहना की और कहा कि आज की सफलता देश के लिए महत्वपूर्ण हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकियों को साकार करने में हमारी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने महानिदेशक (एमएसएस) यू राजा बाबू, डीआरडीएल के निदेशक डॉ जीए श्रीनिवास मूर्ति और पूरी टीम को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए 1000 सेकंड से अधिक समय तक सुपरसोनिक दहन का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी।

पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए 14 श्रेणियों के वीजा रद्द

भारत में कल इन लोगों का आखिरी दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ते तनाव के बीच गृह मंत्रालय ने बड़े कदम उठाए हैं। गृह मंत्रालय ने पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए व्यापार, सम्मेलन, आगंतुक और तीर्थयात्री सहित 14 श्रेणियों के वीजा रद्द कर दिए हैं। हालांकि हिंदू अल्पसंख्यकों को दिए गए दीर्घकालिक (एलटी) के साथ ही राजनयिक और आधिकारिक वीजा वैध रहेंगे।

सार्क वीजा वालों के लिए आज आखिरी दिन

गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, सार्क वीजा रखने वालों को 26 अप्रैल तक भारत छोड़ना होगा। साथ ही आगमन, व्यापार, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक और तीर्थयात्री वीजा रखने वालों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ देना चाहिए। पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को दिए जाने वाले समूह तीर्थयात्री वीजा वालों को भी 27 अप्रैल तक देश छोड़ना होगा और जिनके पास मेडिकल वीजा है उन्हें 29 अप्रैल तक देश छोड़ना होगा। मंत्रालय ने कहा कि किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को ही पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा 27 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से रद्द करने की घोषणा की थी और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द देश लौटने की सलाह दी थी।

हिंदू पाक नागरिकों पर फैसला लागू नहीं होगा

सभी राज्य सरकारों को भेजे गए संदेश में गृह मंत्रालय ने कहा कि वीजा रद्द करने का आदेश पाकिस्तानी हिंदू नागरिकों को जारी दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) पर लागू नहीं होगा। ये वीजा वैध रहेंगे। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 के बीच पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को कुल 1112 दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) प्रदान किए गए।

पहलगाम में खच्चर वाला गिरफ्तार, टूरिस्ट से धर्म पूछा था

यूपी की महिला बोली- आतंकियों के जो स्केच जारी हुए, उनमें दो लोगों से बहस हुई थी

पहलगाम (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के बाद वॉट्सएप पर एक तस्वीर और चैटिंग का स्क्रीनशॉट वायरल हुआ है। इसमें पहलगाम में खच्चर की सवारी कराने वाले एक शख्स की तस्वीर है। दावा किया गया कि खच्चर चलाने वाले ने उन लोगों से उनका धर्म पूछा था। वे लोग हथियार की बात भी कर रहे थे।

वायरल तस्वीर पर कश्मीर पुलिस ने एक्शन लिया। उसमें नजर आ रहे शख्स की पहचान की। गांदरबल पुलिस ने शुक्रवार को तस्वीर में नजर आ रहे शख्स अयाज अहमद जुंगाल को गिरफ्तार किया। वो गांदरबल के गोहीपोरा रायजान का रहने वाला है। सोनमर्ग के थजवास ग्लेशियर में टट्टू सर्विस (खच्चर की सवारी) देता है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

दरअसल, जिस महिला से अयाज ने धर्म वाली बात की थी, वह यूपी के जौनपुर की रहने वाली मॉडल एकता तिवारी हैं। उन्होंने कहा था कि 20 अप्रैल को जब हम पहलगाम में थे, तब दो संदिग्धों ने उनसे धर्म पूछा था। उन लोगों से एकता का झगड़ा भी हुआ था। वे हथियारों की भी बातें कर रहे थे। 20 लोगों का हमारा ग्रुप घाटी में ऊपर जाने की जगह वापस लौट आया था। एकता के मुताबिक यह वाकया दोपहर 12 से 2 बजे के बीच हुआ था। सीआईएसएफ में कार्यरत मेरे जीजाजी ने संदिग्ध आतंकियों के स्केच मुझे भेजे थे। उनमें से दो लोग वही थे, जिनमें मेरी और हमारे ग्रुप की बहस हुई थी। ये लोग हमें वहीं ले जाना चाहते थे, जहां पर 22 अप्रैल को गोलीबारी हुई थी।

एकता तिवारी ने सुनाई आपबीती... : 20 अप्रैल को हो सकता था हमला

हम 13 अप्रैल को जौनपुर से जम्मू-कश्मीर के लिए निकले थे। ग्रुप में 20 लोग थे। सबसे पहले वैष्णो देवी गए, वहां दर्शन के बाद हम सोनमर्ग और श्रीनगर घूमे। 20 अप्रैल को हमारा ग्रुप पहलगाम पहुंचा। जैसे-जैसे हम लोग ऊपर चढ़े, वहां कुछ लोगों के बात करने का तरीका मुझे थोड़ा संदिग्ध लगा। उन्होंने पहले मेरा नाम पूछा, फिर कहा- नाम के आगे क्या लगाती हो? मैं आमतौर पर अपना सरनेम किसी को नहीं बताती।

फिर उन्होंने पूछा कि आप शादीशुदा हैं या नहीं। मैंने कहा- मेरे पति मेरे साथ नहीं आए हैं, जबकि मेरे पति और बच्चे मेरे साथ ही थे। उन्होंने पूछा- आप लोग कहां से हो? मैंने कहा कि मैं राजस्थान से हूं, लेकिन फिलहाल बाबा काशी विश्वनाथ की नगरी से आ रही हूं, फिर उन्होंने मुझसे अजमेर के बारे में पूछा। मैंने कहा- हां, मैं अजमेर को जानती हूं।

उन्होंने पूछा- क्या आप कभी अजमेर दरगाह गई हैं? मैंने जवाब दिया, नहीं। मैं कभी वहां नहीं गई। मैं हमेशा हॉस्टल में रही हूं, इसलिए वहां जाना नहीं हो पाया। इसके बाद उन्होंने मेरी गर्दन पर बने टैटू की ओर इशारा करते हुए कहा- आपके गले में ओम बना है, आप किस भगवान को मानती हैं? मैंने कहा- मैं भोले बाबा को मानती हूं। उन्हीं की कृपा से आज यहां हूं।

इसके बाद उन्होंने पूछा कि क्या आप कभी अमरनाथ जाना चाहेंगी? मैंने कहा- हां, लेकिन वहां जाने के लिए रजिस्ट्रेशन होता है और मुझे नहीं पता कि कैसे होता है। इस पर उन्होंने कहा, आपको रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं है, मैं सीधे दर्शन करवा दूंगा। जब मैंने उनसे कॉन्टैक्ट नंबर मांगा तो उन्होंने देने से मना कर दिया। बोले- बस तारीख बता देना। यही बात मुझे संदिग्ध लगी।

एकता बोलीं- कुरान की बात पर बहस हुई

एकता तिवारी ने बताया- उन्होंने पूछा कि क्या आपने कभी कुरान पढ़ी है? मैंने मना किया। उन्होंने कहा- क्यों नहीं पढ़ी? तो मैंने बताया कि मेरे सभी दोस्त मुस्लिम हैं, मैं उनसे सीख लूंगी। साथ ही कहा कि मुझे उर्दू नहीं आती, इसलिए नहीं पढ़ पाई।

एकता के मुताबिक कुरान की बात पर हमारी उन लोगों से बहस हुई। वे लोग बार-बार धर्म और कुरान की बातें कर रहे थे। तब हमें उन पर शक होने लगा। उन लोगों ने मोजे में छोटा फोन छिपा रखा था, उसके जरिए वे लोग किसी से बात कर रहे थे। हमें लगा कि कुछ गड़बड़ है।

खच्चर वाला बोला- प्लान ए फेल, बी पर काम करते हैं, 35 बंदूकें मंगाई

एकता के मुताबिक खच्चर वाले ने फोन पर कहा- प्लान ए फेल हो गया है, अब प्लान बी शुरू होगा। 35 बंदूकें भेजी हैं, घाटी में रखी हुई हैं। लड़का उन्हें लेने गया है। वो कह रहा था कि बंदूकें घास के बॉक्स में रखी गई हैं। तभी मुझे शक हुआ। मैं उसके खच्चर से कूद गई और कहने लगी कि मुझे वापस जाना है। जब मैं लौटने लगी तो मुझसे बदतमीजी की गई। मेरे कंधे पर हाथ रखकर मुझे धक्का दिया गया।

मेरे भाई गले में रुद्राक्ष पहने हुए थे, उनसे भी बदतमीजी की गई। वे लोग हमसे पूछ रहे थे कि तुमने कुरान क्यों नहीं पढ़ी? वे हमें जबर्दस्ती ऊपर ले जाने की कोशिश कर रहे थे, जहां बाद में (22 अप्रैल) हमला हुआ। वे मुझे उसी जगह ले जाना चाहते थे।

हमें लग रहा था कि यह आतंकी हमला 22 तारीख को नहीं, बल्कि 20 तारीख को ही अंजाम देने वाले थे। मैं वहां सबको चिल्लाकर बोल रही थी कि यह जगह सुरक्षित नहीं है, आप सब नीचे चलिए।

संदिग्ध स्केच वाले दो लोग देखे थे

एकता ने कहा कि कुछ लोग मेरी बात मानकर अपने खच्चर वालों से बात करके वापस लौट गए, लेकिन कुछ लोग आगे चले गए। मुझे उन लोगों पर तभी शक हुआ जब वे बार-बार बंदूक और हिंदू धर्म का जिक्र कर रहे थे। उस वक्त मुझे ये अंदाजा नहीं था कि वे आतंकी हैं, लेकिन यह जरूर लग रहा था कि वहां जाना सुरक्षित नहीं है।

वे लोग हमारे ग्रुप के बारे में भी पूछताछ कर रहे थे। 20 अप्रैल को 12 बजे से 2 बजे के बीच मैंने यह सब देखा। मेरे जीजाजी सीआईएसएफ में हैं। उन्होंने मुझे खुफिया एजेंसियों की तरफ से जारी स्केच भेजे थे। जब उन्होंने मुझसे पूछा, क्या तुम इनमें से किसी को पहचानती हो, तो मैंने कहा- हां स्केच में दो लोग वही हैं, जिनसे मेरी झड़प हुई थी।

उन्होंने मुझे मैसेज किया कि यही वे टेररिस्ट हैं। मैंने इसका जिक्र अपने वॉट्सएप ग्रुप में भी किया है। जो फ्रेंड्स मेरे साथ गई थीं, उन्होंने भी उनकी पहचान की। जब सबसे आगे आकर बयान देने को कहा गया, तो कोई आगे नहीं आया, लेकिन मेरे पास उनकी चैट्स और स्क्रीनशॉट्स हैं।

जैसे ही स्केच देखा, पहचान लिया। सबसे पहले मैंने 1076 नंबर पर कॉल किया था। सीएम योगी जी के पास, लेकिन वहां मेरी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। ढाई मिनट तक बात हुई, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला।

कश्मीर में सेना का एक्शन, 4 आतंकियों के घर ढहाए

आदिल हुसैन का मकान

आसिफ शेख का मकान

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से घाटी मे सेना का एक्शन जारी है। शुक्रवार को 4 आतंकियों के घर धमाके कर ध्वस्त किए गए। त्राल में आतंकी आसिफ शेख और अनंतनाग में आदिल ठोकेर का घर में ब्लास्ट किया गया।

पुलवामा के मुर्रान में जैश-ए-मोहम्मद के एक्टिव आतंकी अहसान उल हक घर उड़ाया गया। हक ने 2018 में पाकिस्तान जाकर ट्रेनिंग ली थी। पुलवामा के ही काचीपोरा इलाके में एलएंडटी आतंकी हारिस अहमद का घर ध्वस्त किया गया।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये घर पुलवामा के त्राल के मोनाघामा इलाके के आसिफ शेख और अनंतनाग के आदिल हुसैन थोकर के थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी के कारण घरों को काफी नुकसान पहुंचा है। गुरूवार और शुक्रवार की दरमियानी रात विस्फोट करके घरों करे जमींदोज कर दिया गया। अधिकारी ने कहा, दोनों स्थानों पर सुरक्षा बलों द्वारा की गई तलाशी के दौरान कुछ संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। संभावित खतरे को भांपते हुए सुरक्षा बल तुरंत पीछे हट गए। कुछ ही देर बाद बड़े विस्फोट करके मकान को नष्ट कर दिया गया।

त्राल के स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि शेख के घर पर विस्फोट तब किया गया जब सुरक्षा बलों ने परिवार को वहां से निकाल लिया था। माना जा रहा है कि जिन दो आतंकवादियों के मकान ध्वस्त किये गये, वे उस समूह का हिस्सा थे जिसने पहलगाम के पास बैसरन मैदान में पर्यटकों पर जानलेवा हमला किया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

पुलिस ने गुरूवार को प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर तीन हमलावरों के स्केच जारी किए। उन्होंने उनकी पहचान अनंतनाग के आदिल थोकर और दो पाकिस्तानी नागरिकों अली बही उर्फ तल्हा बही और हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान के रूप में की। पुलिस ने हमलावरों की सूचना देने वाले को 20 लाख रूपये का इनाम देने की घोषणा की है। साथ ही आश्वासन दिया है कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि बिजबेहरा निवासी आदिल थोकर उर्फ आदिल गुरी 2018 में वैध यात्रा दस्तावेज के साथ पाकिस्तान गया था। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि वह पिछले साल घाटी में घुसपैठ करके आया था।

पाकिस्तानी सैनिकों पर बलूच लड़ाकों का हमला, 10 की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले में 10 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। बीएलए ने शुक्रवार को बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली।

बीएलए ने कहा कि उसके फ्रीडम फाइटर्स ने पाकिस्तानी सेना के काफिले को रिमोट कंट्रोल्ड आईईडी के जरिए निशाना बनाया है। यह हमला हमारी आजादी की लड़ाई का हिस्सा है।

क्वेटा से लगभग 30 किमी मार्गट चौकी के पास सैन्य काफिले को निशाना बनाया गया। बीएलए ने कहा कि दुश्मन के खिलाफ हमारा ऑपरेशन तेजी से जारी रहेगा।

पिछले महीने क्वेटा में ट्रेन हाईजैक की थी

बलूच लिबरेशन आर्मी ने पिछले महीने बलूचिस्तान के क्वेटा में जाफर एक्सप्रेस पर हमला कर उसे हाईजैक कर लिया था। ट्रेन में लगभग 450 पैसेंजर सवार थे। बीएलए ने जेल में बंद बलूच कार्यकर्ताओं, राजनैतिक कैदियों, गायब लोगों, लड़ाकों और अलगावावादियों की बिना शर्त रिहाई की मांग की थी।

इसके बाद पाकिस्तानी सेना और बलूच लड़ाकों के बीच 48 घंटे लड़ाई चली थी। पाकिस्तानी सेना दावा किया था कि 33 बलूच लड़ाके मारे गए हैं और सभी बंधकों को रिहा करा लिया गया। जबकि बलूच लड़ाकों ने 100 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से की बात

'पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर वापस भेजें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्य के मुख्यमंत्रियों से बात की। उन्होंने सभी से अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा। शाह ने कई मुख्यमंत्रियों से बात कर ली है और बाकियों से भी वे बात कर रहे हैं। इस बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की।

सूत्रों के मुताबिक, अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन किया और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे। भारत ने गुरूवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की थी और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द घर लौटने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्रियों को यह भी कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उनका निर्वासन सुनिश्चित करें।

दरअसल, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में दहशतगर्दों ने 26 लोगों (दो स्थानीय और दो विदेशी नागरिकों) को मौत के घाट उतार दिया था। हमला मंगलवार को अपराह्न करीब तीन बजे हुआ, जब आतंकवादी बैसरन घाटी में पहाड़ से नीचे उतरे और वहां पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

प्र.म. मोदी ने उचित कदम उठाने को कहा था

हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बातचीत की थी और उनसे सभी उचित कदम उठाने को कहा था। उसी दिन अमित शाह ने आपात बैठक बुलाई। बैठक में कई शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

जयपुर एयरपोर्ट पहुंचा अमेरिकी एयरफोर्स का स्पेशल प्लेन

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की कार और सामान ले जाने आया

जयपुर(एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस के भारत से अमेरिका लौटने के बाद शुक्रवार को अमेरिकी एयरपोर्ट के स्पेशल प्लेन ने जयपुर एयरपोर्ट पहुंचा। अचानक अमेरिकी एयरफोर्स के सी - 17 प्लेन के जयपुर आने के बाद अलग-अलग चर्चा शुरू हो गई। हालांकि प्लेन अमेरिकी उपराष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान जयपुर लाई गई उनकी कार और सुरक्षा उपकरण लेने आया था। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार लगातार एक्शन में है। शुक्रवार दोपहर को अमेरिकी एयरपोर्ट के स्पेशल माल वाहक सी - 17 की जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग हुई। इसे सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इजरायली एयरफोर्स के फाइटर प्लेन बताकर शेयर करना शुरू कर दिया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने किया सोशल मीडिया के दावों का खंडन : एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सोशल मीडिया के दावों का खंडन करते हुए बताया- इजरायली एयरफोर्स का कोई भी प्लेन जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड

नहीं हुआ है। बल्कि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस के जयपुर दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा के लिए लाए गए उपकरणों और उनके वाहन को ले जाने के लिए स्पेशल सी - 17 प्लेन अमेरिका से जयपुर आया था।

चार दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे डेविड वेंस : बता दें कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस अपनी चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद वेंस अपने परिवार के साथ राजस्थान की राजधानी जयपुर पहुंचे।

वीर सावरकर बयान मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी-कहा

स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं, दोबारा बयान दिया तो एक्शन लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) । कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से सख्त चेतावनी दी गई है। शीर्ष अदालत ने वीर सावरकर के खिलाफ दिए कांग्रेस के बयान को गैरजिम्मेदार करार दिया और भविष्य में ऐसा न करने की नसीहत भी दे डाली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले पर सुनवाई करते हुए कांग्रेस नेता को वॉर्निंग तक दे डाली और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। बता दें कि कांग्रेस के सीनियर लीडर राहुल गांधी ने सावरकर पर दिए गए कथित विवादित बयान को लेकर दर्ज मानहानि मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर को लेकर दिए राहुल गांधी के बयान को गैरजिम्मेदार तक बताया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने राहुल गांधी को फौरी राहत भी दी है। टॉप कोर्ट ने सेशंस कोर्ट की ओर से जारी समन पर भी रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के बयान पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें यह स्वीकार नहीं कि किसी भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के खिलाफ इस

तरह का स्टेटमेंट दिया जाए। कांग्रेस सांसद की ओर से 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान एक रैली आयोजित की गई थी। राहुल गांधी ने उसी रैली में वीर सावरकर को लेकर विवादित बयान दिया था।

राहुल गांधी को सुको की चेतावनी

वीर सावरकर बयान मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को सख्त नसीहत दी है। मामले पर सुनवाई के दौरान मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कांग्रेस नेता को चेतावनी देते हुए कहा कि वे भविष्य में इस तरह का बयान न दें, नहीं तो ऐसे में कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेना पड़ेगा। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व प्रमुख कई मौकों पर वीर सावरकर को लेकर बयान देते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बाद उनके ऐसे बयानों पर रोक लगने की संभावना है।

कांग्रेस सांसद के खिलाफ मानहानी केस

राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शुक्रवार को उनकी इसी याचिका पर शीर्ष अदालत में सुनवाई हुई।दरअसल, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली में वीर सावरकर पर बयान दिया था, जिसे लेकर देशभर में उनके खिलाफ कई केस दर्ज हुए। लखनऊ में वकील नृपेंद्र पांडेय ने भी सिविल कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर राहुल पर स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करने का आरोप लगाया था।

पहले खारिज, फिर स्वीकार हुई थी याचिका

इस याचिका को पहले सत्र न्यायालय ने जून 2023 में खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ नृपेंद्र पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और राहुल गांधी को समन जारी कर दिया। मानहानि का यह मामला 17 नवंबर 2022 को 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक रैली में राहुल गांधी गांधी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी सावरकर पर की गई टिप्पणियों से चर्चा का केंद्र में आया था।

ताजा खबर

संक्षिप्त

जादू-टोने के शक में महिला की हत्या

मंडला। जिले में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां आरोपियों ने जादू-टोना के शक में धारदार हथियार से महिला की हत्या कर दी और शव को बोरे में डालकर नदी में फेंक दिया. पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. हत्या की सनसनीखेज वारदात मंडला जिले के मोतीनाला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सूरजपुरा की है. जहांआरोपियों ने 62 वर्षीय सुधनबाई की धारदार हथियार से हत्या कर दी और फिर अपना जुर्म छिपाने के लिए शव को बोरे में भरकर बुढ़नेर नदी के किनारे फेंक दिया. एसडीओपी ने बताया कि पुलिस ने छह संदिग्धों को हिरासत में लिया है. उनकी सूचना पर महिला का शव नदी किनारे से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. आरोपियों ने 19 अप्रैल को हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

बसाल में दो बाइक आपस में टकराई, एक की मौत

ऊना। ऊना पुलिस थाना क्षेत्र के तहत बसाल में दो मोटरसाइकिलों की जबरदस्त भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। मृतक की पहचान नीलकंठ (52) पुत्र परस राम निवासी अपर बसाल के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात सवा आठ बजे के करीब नीलकंठ अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर आ रहा था। इस दौरान एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए प्रवासी व्यक्ति के साथ उनकी टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों चालक सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पातल ऊना पहुंचाया गया। जहां नीलकंठ ने जख्मों के ताव न सहते हुए दम तोड़ दिया। जबकि प्रवासी व्यक्ति का उपचार जारी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौका पर पहुंचकर तफ्तीश आरंभ की। वही प्रत्यदर्शियों के बयान भी कलमबद्ध किए। उधर, एसपी राकेश सिंह ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हुआ है।

पुरानी रंजिश के चलते शादी समारोह में युवक की हत्या, फैली सनसनी

भोपाल। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के भीमपुरा स्थित भीमपुरा में गुरुवार को शादी समारोह के दौरान एक युवक की हत्या से इलाके में तनाव व्याप्त है. पुलिस ने उज्जैन से दो सगे भाइयों को हिरासत में लिया है. घटना में शुजालपुर सिटी निवासी 25 वर्षीय तौसीफ उर्फ गोल्डन की मौत हो गई. मृतक की हत्या उज्जैन के 5 नंबर नाका निवासी दो सगे भाइयों आसिफ और तौसीफ ने की थी. जानकारी के अनुसार घटना शुजालपुर के भीमपुरा क्षेत्र में ग्राम उचावद निवासी समरू लाला की दो बेटियों के विवाह समारोह के दौरान हुई।

कॉलेज छात्रों को ब्लैकमेल करने वाले दो लड़के गिरफ्तार

एमपी। भोपाल से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने कई साल पुराने अजमेर कांड की यादें ताजा कर दीं. भोपाल के एक कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों और पूर्व छात्रों ने गैंग बनाकर एक के बाद एक कई युवतियों से रेप किया. कई युवतियों ने बदनामी के डर से मामला दर्ज नहीं करवाया लेकिन बागसेवनिया पुलिस थाने में एक युवती ने जब हिम्मत कर केस दर्ज करवाया तो अन्य लड़कियों की भी हिम्मत खुली. लिहाजा अब तक 3 युवतियां सामने आ चुकी हैं.

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों फराज खान और साहिल खान को गिरफ्तार कर लिया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने एसआईटी का गठन कर दिया है. पुलिस के मुताबिक, मामला रायसेन रोड स्थित

एक निजी कॉलेज का है. आरोप है कि यहां हिंदू लड़कियों को पहले प्रेम के जाल में फंसाया गया और फिर उनके साथ संबंध बनाने का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया.

यही नहीं, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवतियों पर दबाव बनाया गया कि वो अपनी सहेलियों या परिचित लड़कियों को भी लड़कों से मिलवाकर दोस्ती करवाएं और बाद में उन युवतियों के साथ भी दुष्कर्म किया गया. सभी आरोपी युवक धर्म विशेष से ताल्लुक रखते हैं जबकि सभी पीड़ित लड़कियां हिंदू हैं. बागसेवनिया थाने में इस बाबत 16 अप्रैल को पहली एफआईआर दर्ज कराई गई थी. युवती ने पुलिस को बताया कि पहले उसके साथ फराज खान नाम के युवक ने हिंदू नाम बताकर प्रेमजाल में फंसाया और संबंध बनाए. इसी दौरान वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू हुआ और तब पता चला कि उसका असली नाम फराज है. आरोपी ने पीड़िता को दो अन्य युवकों से भी मिलवाया जिन्होंने बारी-बारी उसके साथ दुष्कर्म किया. इसके बाद इसी कॉलेज की दो अन्य छात्राओं ने भी इसी तरह की घटना खुद के साथ घटित होने का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करवाई तो मामले की गंभीरता का खुलासा हुआ.

बीड़ी देने से मना करने पर हत्या, चाकू घोंपकर मारा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पुल प्रहलादपुर इलाके में एक 21 वर्षीय व्यक्ति पर पहले हमला किया गया और फिर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए, जब पूर्व ने आरोपी को 'बीड़ी' (एक प्रकार की सस्ती सिगरेट) देने से इनकार कर दिया। मृतक की पहचान पुल प्रहलादपुर के लाल कौन निवासी सोहैब के रूप में हुई है। घायलों में सोहैब का भाई मोहसिन शामिल है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि उनके दोस्त अकरम के बाएं हाथ पर चाकू से वार किया गया है। डीसीपी (दक्षिण-पूर्व) आरके सिंह ने विवरण साझा करते हुए कहा कि 21 और 22 अप्रैल की रात को पब्लिक टॉयलेट पुल प्रहलादपुर के पास प्रेम नगर के जे ब्लॉक में चाकू घोंपने की घटना के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। डीसीपी ने बताया, पूछताछ के दौरान

पता चला कि पड़ोसियों के बीच झगड़ा हुआ था।

पीसीआर कॉल करने वाले शहजाद ने बताया कि घायल को ईएसआई अस्पताल, ओखला में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सोहेब की मां का बयान दर्ज किया, जो एक प्रत्यक्षदर्शी भी है। अपने बयान में महिला ने कहा कि 21 अप्रैल को रात करीब 11 बजे वह अपने घर पर मौजूद थी, जब उसका छोटा बेटा सोहेब घर लौटा और उसने बताया कि मुन्ना और सनी नामक दो लोगों ने उसे पास के पार्क में थप्पड़ मारा, जब उसने उन्हें बीड़ी देने से मना कर दिया। सबुक्ता (55) अपने दोनों बेटों सोहेब और मोसिन के साथ मुन्ना के घर गई और उससे अपने बेटे को थप्पड़ मारने के बारे में पूछा। डीसीपी ने कहा, मुन्ना गुस्से में आ गया और सनी और इम्तियाज भी उसके साथ शामिल हो गए। बहस के दौरान, मुन्ना और इम्तियाज ने सोहेब, मोसिन और अकरम पर कई बार चाकू से वार किया।

शख्स को आजीवन कारावास, पति को बचाने के चक्कर में पत्नी को भी हुई जेल

महाराजगंज। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में पुरानी रंजिश के चलते हत्या के एक मामले में स्थानीय अदालत ने एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अतिरिक्त जिला शासकीय अधिवक्ता अजीत कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार ने 22 अप्रैल को सजा का आदेश पारित किया है.

अदालत ने 45 साल के राजकिशोर को आजीवन कारावास और उसकी 40 साल की पत्नी विभा को अपने पति को बचाने के प्रयास में सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है. वकील ने बताया कि राजकिशोर और उसकी पत्नी पर 7 सितंबर, 2016 को निचलौल क्षेत्र में पुराने झगड़े के कारण सोनू नामक व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है. मामले में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी. एक माह पहले महाराजगंज में ही अदालत ने 9 साल पुराने हत्या के मामले में 3 को दोषी करार देकर 10 साल की कैद की सजा सुनाई थी. यहां भी एक शख्स की हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई थी. कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था. जुर्माना अदा न करने पर उन्हें एक महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी.

रसगुल्ला खाकर प्रेमी संग रफूचक्कर हुई दुल्हन, सबको चौंका दिया

मुंगेर। बिहार के मुंगेर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां लोक लाज छोड़कर एक बेटी अपनी ही शादी के दिन चुपके से अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. वहीं लड़की के परिजन थाना पहुंचकर पुलिस से गुहार लगा रहे हैं. मामला असरगंज थाना क्षेत्र के सजुआ पंचायत के सति स्थान गांव निवासी अरुण मंडल की पुत्री 21 साल की नंदनी उर्फ नेहा कुमारी की बीती रात होने जा रही शादी का है. शादी में पूरा परिवार उत्साहित था जब अचानक बवाल मच गया.

दरअसल, यहां बारात आई, जयमाल हुआ लेकिन जयमाल खत्म होते ही रसगुल्ला खाकर हाथ धोने के बहाने नेहा अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. परिवार वालों को इस बात की जानकारी तब हुई जब नेहा को शादी के मंडप में बुलाया जा रहा था लेकिन नेहा अपने कमरे में नहीं थी. वहीं जब दूल्हा और बारातियों को इसकी जानकारी हुई कि लड़की अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है तो वे लोग भड़क गए और दूल्हे ने सिर पर पहने सेहरे को फेंक दिया. इसके बाद सिर पर पगड़ी लगाए बरातियों ने भी ऐसा ही किया और चलते बने. वहीं लड़की के परिवार वालों ने दूल्हे से उनकी दूसरी बेटी के साथ शादी का मान मनव्वल किया लेकिन लड़के वालों ने मना कर दिया और गुस्सा होकर चले गए. नेहा के पिता अजय मंडल ने बताया %हमारी चार बेटियां और दो बेटे हैं. हमलोग दिल्ली में पूरे परिवार के साथ रहकर मजदूरी का काम करते हैं. हमने अपनी बड़ी बेटी नेहा की शादी पिछले साल संग्रामपुर प्रखंड के बैजनाथपुर गांव निवासी कपिलदेव मंडल के पुत्र अमरजीत कुमार से तय की थी. शादी को लेकर ढाई लाख रूपये दहेज भी दिए थे. नवंबर 2024 में छठ पूजा के समय नेहा की शादी का दिन रखा गया था लेकिन लड़के वालों ने किन्ही कारणों से मना कर दिया.जिसके बाद 23 अप्रैल 2025 की शादी का दिन रखा गया. अब बुधवार को बरात हमारे घर आई , हमने स्वागत किया. बरातियों के खाने के लिए मछली और चावल का प्रबंध किया गया था. लेकिन जब जयमाला के बाद मेरी बेटी कमरे में चली गई तब उसे थोड़ी देर में शादी के मंडप में उसे बुलाया गया. लेकिन वह कमरे में नही थी. जब उसकी खोजबीन की तो पता चला की अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. नेहा की बहन गुड़िया कुमारी और भाई अभिषेक ने बताया की नेहा की शादी जब ठीक हुई तब वह एक छोटी बहन के साथ गांव में रहती थी. हमलोग बहन की शादी में दिल्ली से आए थे. शादी में जयमाला के बाद उसने कहा कि मुझे भूख लगी है दो रसगुल्ला लेते आओ. मैंने उसे रगुल्ला लाकर दिया. फिर वह हाथ धोने गई. लेकिन थोड़ी देर जब कन्यादान के लिए उसे बुलाने गए तो वह अपने कमरे में नही थी. परिजनों ने नेहा के घर से भागने का रिपोर्ट असरगंज थाना को दे दी है और पुलिस मामले की छान बीन में जुटी है.

महिला और प्रेमी को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया...अनोखी घटना घटी

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय में 5 बच्चों की मां को एक बच्चे के पिता के साथ आपत्तिजनक हालत में लोगों ने पकड़ा लिया. जिसके बाद लोगों ने पहले प्रेमी की पिटाई की फिर दोनों की जबरन शादी करा दी. वहीं, लोगों ने इसका वीडियो भी बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. पूरा मामला मुफस्सिल थाना के सुजा गांधी ग्राम का है.

बताया जाता है कि मंगलवार को गांव के पप्पू महतो की पत्नी 5 बच्चे की मां का गांव में रह रहे डाटा ऑपरेटर विकास कुमार के साथ एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था. तीन माह पहले भी दोनों को लोगों ने पकड़ लिया था. हालांकि, तब पंचायत कर मामले का रफा-दफा कर दिया गया था. लेकिन मंगलवार को लोगों ने एक बार फिर गांव के बाहर दोनों को मिलते देख लिया. जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए और दोनों को पकड़ कर पहले पिटाई की फिर सामुदायिक भवन में बंद कर दिया. बाद में गांव वालों ने दोनों की शादी करा दी. विकास ने बताया कि वह साहेबपुर कमाल प्रखंड अंतर्गत डाटा ऑपरेटर है और एक बच्चे का पिता भी है. वह नई पत्नी के साथ-साथ दोनों बीवियों के साथ रहना चाहता है. उसने कहा कि गांव वालों ने उनकी जबरन शादी कराई है. घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाने की पुलिस सुजा गांव पहुंची और दोनों प्रेमी-प्रेमिका को थाना ले गई.

स्थानीय लोगों ने बताया कि डाटा ऑपरेटर साहेबपुर कमाल का रहने वाला है. वह सूजा में जमीन खरीद कर घर बना कर रहता है. यहीं पर उसका 5 बच्चों की मां से प्रेम-प्रसंग चलने लगा. मंगलवार को दोनों को लोगों ने गांव के बाहर पकड़ लिया. इससे पहले भी दोनों को पकड़ा गया था, लेकिन तब पंचायत करके हिदायत दी गई थी. लेकिन इसके बावजूद भी दोनों नहीं माने.

प्रेमी ने महिला को उतारा मौत के घाट, शादी का दबाव बनाने पर भड़का

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. 2 बच्चों की मां की इस हत्या के आरोप में एक 25 साल के युवक को गिरफ्तार किया गया है जो कि उसका प्रेमी था. पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार किया है. मालूम हुआ कि उसने महिला का मर्डर इसलिए किया है क्योंकि वह उस पर शादी के लिए दबाव बना रही थी. स्थानीय क्लब में काम करने वाली मृतका रूपाली का शव रविवार को सेक्टर 83 में एक खाली प्लॉट से बरामद किया गया. पुलिस ने कहा कि वह अपने बच्चों के साथ चक्करपुर गांव में किराए के

मकान में रहती थी. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी अभिषेक मिश्रा बिहार का मूल निवासी है और दिल्ली के राजोकरी इलाके में रहता था, उसे सिही गांव से गिरफ्तार किया गया. वह महिला के साथ रिलेशनशिप में था.

गुरुग्राम पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, %पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि महिला उस पर शादी के लिए दबाव बना रही थी. उसके लगातार टोकते रहने से तंग आकर उसने महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी और शव को खाली प्लॉट में फेंक दिया.

बहू की नाक काटने का आरोप, बाइक और नकदी के लिए परेशान करते है ससुराल वाले

यूपी। फिरोजाबाद में अतिरिक्त दहेज की खातिर एक कैस विवाहिता के साथ 1 ससुरारियों द्वारा मारपीट की जाती है। उससे बाइक और 50 हजार रुपये मांगे जाते हैं। पति ने परिवार के साथ मिलकर उसकी पिटाई की और खटिया से बांधकर छुरी से नाक काट दी। मायकेवालों को पता चला तो बेटी की ससुराल पहुंचे और बेटी गायब मिली। ससुरालीजन मौके से भाग गए थे। लोगों ने बेटी को आगरा भर्ती कराया था। पति समेत सभी ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

सल्लो पुत्र शकूर खां निवासी नौढ़ा शांतिनगर थाना रसूलपुर ने मुकदमा दर्ज कराया है कि उसने अपनी के उसने अपनी बेटी अंजलि की शादी तीन साल पहले नासिर पुत्र फजला निवासी रेस्ट एटा रोड तालाब के पास शिकोहाबाद से की थी। अंजलि के एक बेटी है। अंजलि को आठ दिन तक ससुरालियों ने भूखा प्यासा रखा और उससे बाइक के साथ 50 हजार रुपये अतिरिक्त दहेज के लिए लाने को कहा। पति नासिर के साथ साथ सास रहीशा, जेठ चाचू, नाजिम और देवर छोटू, मौसी श्यामा परेशान करते। सास ससुर और देवर जेठ अंजलि के साथ मारपीट करते हैं। बेटी पर एक सप्ताह पहले दबाव बनाया कि वह मायके जाए और बाइक के साथ साथ 50 हजार रुपये लेकर आए। अंजलि ने मजदूरी करने वाले पिता से ये मांग पूरी नहीं हो पाने की बात कही। ससुरालियों ने अंजलि को पीटा और फिर चारपाई से हाथ पैर बांध दिए।

छात्रा ने खत्म की जिंदगी, सुसाइड नोट में लिखी ये बात

नई दिल्ली। मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना। मेरी मौत की जिम्मेदार मैं खुद हूं... यह सुसाइड नोट लिखकर बीए की छात्रा ने फांसी लगा ली। वह बीए के साथ पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी भी कर रही थी। इंदिरानगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील तिवारी के मुताबिक परिवार वालों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

बलिया के रसड़ा निवासी अमृत सिंह (21) मुंशीपुलिया इलाके में किराए के घर में रहकर पढ़ाई कर रही थी। वह बलिया के कॉलेज से बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। सिक्योरिटी गार्ड पिता मुन्ना सिंह ने बताया कि सोमवार दोपहर में बेटी अमृत से फोन पर बात हुई थी। बुधवार से उसका बीए का पेपर शुरू होना था। मंगलवार को उसने घर आने के लिए कहा था। रात में उसे कई बार फोन मिलाया पर संपर्क नहीं हो सका। इस पर मकान मालिक को जाकर देखने के लिए कहा। मकान मालिक उसके कमरे पर गए तो दरवाजा अंदर से बंद था। कई अवाज देने के बाद भी जवाब नहीं मिला। सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मी दरवाजा तोड़कर भीतर गए तो बेटी का शव दुपट्टे से फंदे के सहारे लटकी हुई थी। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। तीन बहन एक भाई के बीच अमृत सबसे छोटी थी।।

मम्मी-पापा मुझे माफ कर देना। मेरी मौत की जिम्मेदार मैं खुद हूं... यह सुसाइड नोट लिखकर बीए की छात्रा ने फांसी लगा ली। वह बीए के साथ पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी भी कर रही थी। इंदिरानगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील तिवारी के मुताबिक परिवार वालों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

बलिया के रसड़ा निवासी अमृत सिंह (21) मुंशीपुलिया इलाके में किराए के घर में रहकर पढ़ाई कर रही थी। वह बलिया के कॉलेज से बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। सिक्योरिटी गार्ड पिता मुन्ना सिंह ने बताया कि सोमवार दोपहर में बेटी अमृत से फोन पर बात हुई थी।

दंपति की बेरहमी से हत्या, दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी

बिहार। खबर बगहा से है, जहां भारत-नेपाल सीमा से सटे वाल्मीकि नगर थाना अंतर्गत ठाढ़ी रेता में दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई है। रेता में गंडक नदी के किनारे और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल से सटे एक साधु और उसकी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि ये दोनों ठाढ़ी गांव के रहने वाले थे और पिछले 5 सालों से रेता में गंडक नदी के किनारे जंगल के बीच झोपड़ी बनाकर रहते थे। साथ ही दियारा की जमीन पर खेती भी करते थे। घटना वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के चुलभट्टा जंगल से करीब 500 मीटर दूर रेता में हुई।दरअसल, 70 वर्षीय साधु बोधन महतो का शव नदी के बीच चट्टानों पर मिला। वहीं, उनकी पत्नी 65 वर्षीय भगवती देवी का शव नदी किनारे वन क्षेत्र में पड़ा था।

प्राइवेट पार्ट पर हमला करती है ये महिला, इस बार बच्चे को किया टारगेट

यूपी। महाराजगंज जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है. गांव में हुए झगड़े के दौरान एक महिला ने 14 साल के बच्चे का प्राइवेट पार्ट अपने दांतों से काट लिया. अचानक हुए इस हमले से बच्चा दर्द से चिल्लाने लगा और परिजन उसे तुरंत

अस्पताल लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने बताया कि पैंट का कपड़ा मोटा होने की वजह से अंदरूनी चोट नहीं आई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया. फिलहाल बच्चा खतरे से बाहर है, लेकिन परिवार और गांव के लोग डरे हुए हैं. पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

यह घटना एक आम से झगड़े के दौरान हुई. पीड़ित लड़के के पिता का कहना है कि गांव की महिला से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी. मामला इतना बढ़ गया कि महिला ने गुस्से में आकर बच्चे को पकड़ लिया और उसके प्राइवेट पार्ट को दांत से काट लिया. लड़का दर्द से तड़प उठा और रोने-चिल्लाने लगा. आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए और किसी तरह से बच्चे को महिला से छुड़ाया गया.

बच्चे की हालत देखकर परिजन घबरा गए और तुरंत उसे पास के अस्पताल ले गए. डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद बताया कि गनीमत रही कि बच्चे ने मोटी पैंट पहन रखी थी, जिससे काटने के बाद भी गंभीर आंतरिक चोट नहीं आई. डॉक्टरों के मुताबिक बच्चा अब खतरे से बाहर है और दवाइयों से धीरे-धीरे ठीक हो जाएगा. इस घटना के बाद पीड़ित लड़का अपने पिता के साथ जिला पुलिस अधीक्षक (स्क) सोमेंद्र मीना के जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचा. वहां उसने अपनी आपबीती सुनाई और महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. लड़के ने आरोप लगाया कि यह महिला पहले भी गांव के कई लोगों के प्राइवेट पार्ट पर हमला कर चुकी है. लेकिन हर बार मामला दबा दिया गया या पुलिस ने हल्के में लिया. इस बार मामला सीधे स्क के सामने पहुंचा, तो पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. स्कसोमेंद्र मीना ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, महिला द्वारा प्राइवेट पार्ट दांत से काटने की शिकायत मिली है।

दो सालों में भारत पांच ट्रिलियन क्लब में हो जाएगा शामिल : मनोहर लाल

प्रधानमंत्री का संकल्प : आजादी के 100 साल बाद भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में हो शामिल

एजेंसी।

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सही दिशा और गति के साथ विकसित भारत का संकल्प साकार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक जो विकसित भारत का संकल्प लिया है, उसे समाज के हर वर्ग के सहयोग से पूरा किया जाएगा। आगामी दो सालों में भारत पांच ट्रिलियन क्लब में शामिल हो जाएगा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री नई दिल्ली में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस विजन-2047:समृद्ध और महान भारत में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 2047 में देश को आजाद हुए 100 साल हो जाएंगे, 100 साल के बाद देश विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा हो, इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालांकि, इतिहास में देखें तो भारत विश्व गुरु है, विकसित देश के लिए आर्थिक उन्नति के अलावा सांस्कृतिक धरोहर, संस्कार और शिक्षा स्तर के साथ दुनिया में उसका व्यवहार कैसा है, यह भी देखा जाता है। देश की आबादी अच्छी है, लेकिन दुनिया का मानना है कि आबादी के चलते ग्रोथ कमजोर होगी, बल्कि भारत के पास 18 से 64 आयु वर्ग की आबादी अच्छी खासी है, जोकि विकसित भारत के सपने को साकार करने में सबसे अहम होगी।

हर क्षेत्र में भारत बन रहा है आत्मनिर्भर

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान शासन व्यवस्थाओं के साथ नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रौद्योगिकी, आर्थिक और सांस्कृतिक संस्कारों पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षा में बड़ा बदलाव करते हुए नई शिक्षा नीति-2020 लागू की गई। संयोग से जब नई शिक्षा नीति तैयार की गई, तब वे हरियाणा के सीएम थे और उन्होंने वर्ष 2025 में इसे लागू करने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिस दिशा में हरियाणा आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के वैज्ञानिक नया कमाल कर रहे हैं, वैज्ञानिक चांद पर वहां पहुंचे हैं, जहां पर कोई नहीं पहुंच पाया। सबसे बड़ा कमाल तो कोविड के दौरान किया, जब पूरी दुनिया कह रही थी कि कोविड का सबसे ज्यादा असर भारत पड़ेगा, क्योंकि यह आबादी ज्यादा है। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों के भरोसे ऐसा कमाल किया, जिसे देखकर दुनिया आश्चर्यचकित रह गई। भारत न केवल अपने नागरिकों को बल्कि 50 देशों में वैक्सीन पहुंचाई। अब देश विज्ञान, खेल, कृषि सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर बन चुका है। अब देश म्यमार, श्रीलंका और भूटान की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बिजली सप्लाई करता है। इसके साथ ही नेपाल में हाइड्रो परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। वहां पर 80 हजार मेगावाट ऊर्जा उत्पादन की जा सकती है, मौजूदा समय में तीन हजार का उत्पादन हो रहा है और 10 हजार मेगावाट का करार किया जा चुका है। थर्मल पावर प्लांट पर निर्भरता को कम करने के लिए परमाणू बिजली उत्पादन की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। सौलर एनर्जी पर भी फोकस है और 47 प्रतिशत सौलर एनर्जी आ चुके हैं।

जामिया हमदर्द में नालंदा के गौरवशाली योगदान पर चर्चा

एजेंसी।

नई दिल्ली। जामिया हमदर्द के साहित्यिक क्लब ने हकीम अब्दुल हमीद सभागार, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन समारोह और हमारी आधुनिक दुनिया को आकार देने में नालंदा महाविहार के योगदान पर एक चर्चा का आयोजन किया। विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों का प्रोफेसर रेशमा नसरीन, डीएसडब्ल्यू, जामिया हमदर्द द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जामिया हमदर्द के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एम. अफशर आलम ने लेखक और राजनयिक श्री अभय के., आईएफएस, उप महानिदेशक, आईसीसीआर की पुस्तक नालंदाः हाउ इट चेंज्ड द वर्ल्ड का विमोचन करने के बाद बोलते हुए कहा, ह्वनालंदा का योगदान बहुत बड़ा है। अगर आर्यभट्ट नहीं होते, तो कोई शून्य नहीं होता, कोई एल्गोरिदम नहीं होता। हम नालंदा के इन महत्वपूर्ण योगदानों के बिना अपनी आधुनिक दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते। मैं इस आकर्षक पुस्तक को लिखने के लिए श्री अभय के. की सराहना करता हूँ। नालंदा को सार्वजनिक चर्चा में वापस लाना उनका असाधारण योगदान है।ह्व उन्होंने देव आनंद और हेमा मालिनी अभिनीत जॉनी मेरा नाम नामक एक फिल्म देखने की याद दिलाई जिसमें नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर दिखाए गए थे। मुख्य अतिथि, श्री अभय के., आईएफएस, उप महानिदेशक, आईसीसीआर ने इस कार्यक्रम में बोलते हुए, जो पृथ्वी दिवस समारोह के साथ मेल खाता था, अपना पृथ्वी गान साझा किया, जिसे उन्होंने 2008 में 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारतीय दर्शन से प्रेरित होकर लिखा था और बताया कि कैसे नालंदा महाविहार वास्तव में इस दर्शन का एक जीवंत उदाहरण है, जो दुनिया भर के छात्रों और शिक्षकों का स्वागत करता है। उन्होंने गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, कीमिया, दर्शन, कविता, अंतःविषय शिक्षा, अन्य क्षेत्रों के अलावा नालंदा के योगदान पर प्रकाश डाला और साझा किया कि आधुनिक शैक्षणिक संस्थान प्राचीन नालंदा महाविहार की सर्वोत्तम प्रथाओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं, जैसे अंतःविषय शिक्षा, छात्रावास की सुविधाएँ बनाना, पुस्तकालय, ज्ञान अर्जन पर ध्यान केंद्रित करना, दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और शिक्षकों को आकर्षित करना, प्रतिभाशाली छात्रों को पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान करना, आदि। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया गया है और 2024 में भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजगीर में नए विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन किया गया।

उन्होंने बताया कि दुनिया भर में नालंदा के नाम पर कई संस्थान हैं जो 20वीं और 21वीं सदी में स्थापित किए गए हैं, जो साबित करता है कि ज्ञान के प्रदाता के रूप में नालंदा का विचार कभी नहीं मरा, बल्कि यह फलता-फूलता और बढ़ता जा रहा है। इस कार्यक्रम में जामिया हमदर्द के संकाय सदस्यों, छात्रों और अधिकारियों ने भाग लिया।

तहव्वुर राणा को परिवार से बात करने की नहीं मिली इजाजत, कोर्ट से याचिका खारिज

नई दिल्ली/एजेंसी। राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने 2008 के मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की अपने परिजनों से बात करने के अनुरोध संबंधी याचिका खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने कहा कि, अनुमति नहीं है। तहव्वुर राणा ने अपने वकील के माध्यम से याचिका दायर की और तहव्वुर राणा ने कहा कि, अपने परिजनों से बात करना उसका मौलिक अधिकार है तथा उन्हें उसके सुख-दुख के बारे में चिंतित होना चाहिए। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस अर्जी का विरोध करते हुए दलील दी कि अगर उसे अपने परिजनों से बात करने की अनुमति दी जाएगी तो वह महत्वपूर्ण जानकारी साझा कर सकता है। आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने कहा कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है। कोर्ट

ने 10 अप्रैल को पाकिस्तानी मूल के 64-वर्षीय कनाडाई व्यवसायी को 18 दिन की हिरासत में भेज दिया था। एनआईए ने आरोप लगाया कि आपराधिक साजिश के एक हिस्से के रूप में आरोपी डेविड कोलमैन हेडली ने भारत आने से पहले राणा के साथ पूरे ऑपरेशन पर चर्चा की थी। एनआईए ने राणा की हिरासत की मांग करते हुए कोर्ट को कहा कि संभावित चुनौतियों की आशंका को देखते हुए हेडली ने राणा को अपने सामान और संपत्तियों का ब्योरा देते हुए एक ई-मेल भेजा था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि हेडली ने राणा को इस साजिश में पाकिस्तानी नागरिकों- इलियास कश्मीरी और अब्दुर रहमान की संलिप्तता के बारे में भी बताया था। इस मामले में ये दोनों भी आरोपी हैं।

ईएसआईसी ; उप क्षेत्रीय कार्यालय, ओखला में डॉ आंबेडकर जयंती मनाई

नई दिल्ली: कर्मचारी राज्य बीमा निगम, उप क्षेत्रीय कार्यालय, ओखला, दिल्ली में संयुक्त निदेशक (प्रभारी) साहिल अग्रवाल की अध्यक्षता में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती मनाई गई. इस कार्यक्रम में सी के दास (संयुक्त निदेशक), संत सिंह (सहायक निदेशक) के अलावा उप क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया.

आंबेडकर जयंती कार्यक्रम की शुरूआत संयुक्त निदेशक प्रभारी साहिल अग्रवाल ने बाबा साहेब डॉ आंबेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए की. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डॉ आंबेडकर की विश्व के विद्धवानों में गिनती होती है. वे 32 डिग्रियाँ और 9 भाषाओं के ज्ञाता थे. उनके निजी पुस्तकालय में पचास हजार से अधिक पुस्तकें थीं. उनके गहन अध्ययन, ज्ञान और योग्यता का ही परिणाम था, कि उन्होंने देश का संविधान दिया, कई कानून बनाए. उन्होंने सभी जाति और धर्म के लोगों के लिए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया. आज उनके जन्मदिन उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना हमारे लिए गौरव की बात है.इस अवसर पर संयुक्त निदेशक सी के दास ने कहा कि बाबा साहेब डॉ आंबेडकर ने तत्कालीन परिस्थितिओं में अपनी योग्यता और ज्ञान के बल पर जो कार्य किए वे वास्तव में अतुलनीय हैं. वहीं सहायक निदेशक संत सिंह ने बाबा साहेब डॉ आंबेडकर को उच्च कोटि का विदुवान बताते हुए उन्हें नमन किया. कार्यक्रम का संचालन करते हुए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी कामता प्रसाद ने बाबा साहेब डॉ आंबेडकर के बारे में बताया. उन्होंने बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थापना में बाबा साहेब डॉ आंबेडकर की प्रमुख भूमिका रही है. उन्होंने महिलाओं, मजदूरों, दलितों के समग्र विकास के लिए कई कानून बनाए. महिलाओं के लिए प्रसूति अवकाश, मंहगाई भत्ता, आठ घंटे का कार्य दिवस, इत्यादि कार्य किए. इस मौके पर अन्य वक्ताओं में शालिनी गावा, चंद्रभान, सरोज कुमारी, जल सिंह मीना, सुशील गुप्ता, विजेंद्र सिंह आदि शामिल हैं.

करावल नगर में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, एक कर्मचारी आग में झुलसा

नई दिल्ली/एजेंसी। करावल नगर इलाके में बृहस्पतिवार सुबह पटाखे बनाने की अवैध फैक्ट्री में तेज धमाके के साथ आग लग गई। आग में एक कर्मचारी बुरी तरह से झुलस गया। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री का दरवाजा काफी दूर जाकर गिरा, बालकनी की ग्रिल भी टूटकर गली में जा गिरी। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, दमकल की टीमें मौके पर पहुंची। हादसे में झुलसे कर्मचारी रिजवान को एंबुलेंस से जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। आशंका है बारूद को मिलाते वक्त फैक्ट्री में धमाका हुआ। करावल नगर थाना ने दूसरे के जीवन को खतरे में डालने समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। एफएसएल की टीम ने नमूने एकत्रित किए हैं। फैक्ट्री मालिक अरबाज व मकान मालिक वीरेंद्र से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 8:45 बजे सूचना मिली थी कि करावल नगर के अंकुर एन्क्लेव में एक फैक्ट्री में आग लगी है। पुलिस व दमकल की आठ गाडियां मौके पर पहुंची। बचाव दल के पहुंचने से पहले ही आग बुझ गई थी। पुलिस को पता चला कि भू-तल पर स्क्रैप का गोदाम है और पहली मंजिल पर बनी फैक्ट्री में ग्रीन पटाखे बनाएं जाते थे। हादसे के वक्त रिजवान नाम का कर्मचारी फैक्ट्री में मौजूद था। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका बहुत तेज था, दूर तक आवाज सुनाई दी। धमाके से फैक्ट्री का गेट करीब सौ मीटर दूर जाकर गिरा। मौके पर करावल नगर के विधायक कपिल मिश्रा भी पहुंचे पिछले कई माह से निगम व पुलिस की सांठगांठ से रिहायशी क्षेत्र में अवैध फैक्ट्री चल रही थी।

■ प्रीत विहार आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष रजत सेठ जनरल सेक्रेटरी बृजेश गुप्ता और रेजिडेंट्स वेलफेयर के बहुत सारे सदस्य मिलकर, पहलगाम में आतंकवादी द्वारा हमला किए गए घटनाओं की निंदा की और जो लोग वहां शहीद हुए उनको श्रद्धांजलि दी।

बेटी को बंधक बनाकर महिला से दुष्कर्म

नई दिल्ली/एजेंसी। बाहरी-उत्तरी जिला में एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि उनके पड़ोस में रहने वाले ही एक शख्स ने पहले उनकी 11 वर्षीय बेटी के हाथ-पैर बांध दिए। फिर उनके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। पीड़िता ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद आरोपी पर दुष्कर्म समेत अन्य कई धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा है। जानकारी के मुताबिक, बिहार की रहने वाली एक महिला अपने पति और 11 वर्षीय बेटी के साथ बाहरी-उत्तरी जिला के एक फार्म हाउस में केयर टेकर के रूप में काम करती है। इसी फार्म हाउस में परिवार के साथ रहती भी है। महिला ने बताया कि उनके पति किसी काम से बिहार गए हुए थे। बताया गया कि बीते रविवार की रात वह और उनकी बेटी फार्म हाउस के बरामदे में सो रही थी। तभी रात करीब 2:30 बजे एक पड़ोसी दीवार फांदकर आया। पहले उसने उनकी बेटी के हाथ-पैर चादर से बांध दिए। फिर उनके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उनके सीने में मुक्के भी मारे। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने वहां से भाग निकला। पीड़िता ने बताया कि उनकी बेटी ने किसी तरह दांत से अपने बंधे हाथ-पैर को खोला। सुबह इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दी। पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर मेडिकल कराने के बाद आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। इस पूरे मामले में बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला के बयान के आधार पर आरोपित के खिलाफ बीएनएस की धारा- 115(2),333,351 और 64(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया। वहीं, आरोपित को शिकायत मिलने के दो घंटे बाद भी गिरफ्तार कर लिया।

पहलगाम आतंकवादी पूर्णतया मानवता के विरुद्ध और शर्मनाक : जेड़ के फैजान

एजेंसी।

नई दिल्ली : पीपुल्स अवेयरनेस फोरम के अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता जेड़ के फैजान ने पहलगाम में आतंकवादी हमले में मरने वालों के परिवार जनों के साथ अपनी गहरी सहानभूति प्रकट करते हुए इसे पूर्णतया मानवता के विरुद्ध और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर इस निर्दयता से गोलियों की बौछार करना अत्यंत दुखदाई है और इस ने हमें झिंझोड़ कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाया जाना अत्यंत दुखदाई तथा मानवता के विरुद्ध है और मैं इस की भरपूर निन्दा करता हूं। उन्होंने इस के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के साथ साथ आश्रितों को भरपूर मुवावजा दिऐ जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि लेकिन इसे हिन्दू मुस्लिम कर के देखना एवं

प्रचारित करना गलत है, आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता। जेड के फैजान ने आगे कहा कि,परन्तु ,इस वाकए ने केन्द्रीय सरकार के दावों की पोल खोल कर रख दी है कि कश्मीर में धारा ३७० की समाप्ति के बाद वहां कानून व्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और आतंकवाद पूर्णतया समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम का वाकया कोई पहला मामला नहीं है बल्कि ३७० की समाप्ति के बाद भी वहां लगातार आतंकी हमले जारी रहे हैं मगर सरकार जिस बेहवाई एवं ढिठाई से शान्ति बहाल होने का खोखला दावा करती रही है,वह जग जाहिर है। उन्होंने कहा कि यह वास्तविकता है कि धारा ३७० के खत्म किए जाने से कश्मीरियों की भावनाएं आहत हुई हैं और इस से उन्हें वरगलाने का मौका मिला है । काफी वायदे के बावजूद भी वहां पूर्ण असेंबली का दर्जा भी नहीं दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी तथा उसकी सरकारों ने साम्प्रदायिकता का जो माहौल पैदा कर रखा है, वास्तव में यदि देखा जाए तो यह सब उसी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह विदित है कि इस तरह की घटनाएं बिना पड़ोसी देशों की मदद एवं हस्तक्षेप के सम्भव नहीं होतीं और पाकिस्तान इस का भरपूर फायदा उठा रहा है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, जान गंवाने वालों की स्मृति में पेड़ लगाकर 2025 का पृथ्वी दिवस मनाया

एजेंसी।

नई दिल्ली : जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए इस जघन्य आतंकी हमले की निंदा की और जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), भारत सरकार के सहयोग से आयोजित एक संगोष्ठी में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ और कुलसचिव प्रोफेसर मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में शांति, मानवता एवं करुणा का आह्वान किया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्मृति और सम्मान के प्रतीक के रूप में, प्रोफेसर आसिफ, प्रोफेसर रिजवी और जामिया मिल्लिया इस्लामिया तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के अन्य अधिकारियों, विशिष्ट अतिथियों एवं छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक के सामने के लॉन में 26 पेड़ लगाए गए। हमले में अपनी जान गंवाने वालों को सम्मानित करने और याद करने का वादा करते हुए जामिया प्रशासन ने स्मारक पेड़ों के रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी ली है और साथ ही मानवीय भावना के प्रतीक स्वरूप वार्षिक स्मरण समारोह आयोजित करने की जिम्मेवारी ली है । दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य 22 और 23 अप्रैल 2025 को मनाए जाने वाले पृथ्वी दिवस के बारे में जागरूकता फैलाना और ज्ञान का प्रसार करना था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण की वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित करना और इसे बेहतर बनाने के विचारों पर चर्चा करना है। संगोष्ठी के हिस्से के रूप में जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईआईटी दिल्ली सहित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रो. मजहर आसिफ ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने स्वागत भाषण की शुरूआत की। तदुपरांत विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय की डीन प्रो. मिनी थॉमस ने अतिथियों, संकाय सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया। प्रो. सूर्य प्रकाश (अध्यक्ष, जीएमआरडी, एनआईडीएम) के अतिथि व्याख्यान के बाद एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक श्री राजेंद्र रत्नू, आईएएस द्वारा विचार-मंथन और ज्ञानवर्धक जागरूकता वार्ता हुई। दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार सिंह, आईसीएएस ने जैव विविधता पार्कों के विषय और प्रकृति के संरक्षण कार्यों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के योगदान के बारे में बात की। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलसचिव प्रो. रिजवी ने पृथ्वी दिवस और इसके महत्व पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया और छात्रों एवं संकाय सदस्यों को पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे आने और जमीनी स्तर पर पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया। पुरस्कार वितरण समारोह और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति एवं कुलसचिव तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा पर्यावरण विज्ञान विभाग के न्यूजलेटर के विमोचन के साथ कार्यक्रमों का समापन हुआ।

सम्पादकीय

अनुचित और अमर्यादित

कुछ समय पहले तक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणियों की चर्चा होती रही है। कहा गया कि इससे न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव सार्वजनिक हुआ है। चर्चा रही कि इससे जनमानस में अविश्वास व भ्रम की स्थिति बनती है। अब इस टिप्पणी से उत्साहित होकर भाजपा के दो सांसदों ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण स्तंभ पर अमर्यादित ढंग से निशाना साधा है। उस महत्वपूर्ण स्तंभ पर जिसका कार्य संविधान की गरिमा बनाना और न्याय सुनिश्चित करना है। दरअसल, विधानसभाओं में विधेयकों को मंजूरी देने के लिये समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।' वहीं दूसरी ओर लोकसभा में झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने भी चिंताजनक ढंग से तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने का काम अपने हाथ में ले ले तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भी नहीं बख्शा और उन्हें देश को गृह युद्ध की ओर धकेलने वाला बताया। इतना ही नहीं, कुछ समय उपरांत उन्होंने अपने बयान को और हल्का करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त 'मुस्लिम आयुक्त' की भूमिका में रहे हैं। बहुत संभव है कि दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी में अपना कद बढ़ाने के मकसद से ऐसे बयान दिए होंगे। यह भी कि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को बड़ा करके दिखाने का ही प्रयास किया। उन्हें लगता है कि शायद पार्टी उन्हें उनकी वफादारी के लिये पुरस्कृत करेगी। लेकिन भगवा पार्टी ने उन्हें सिर्फ फटकार ही लगाई है। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने खुद को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियों से अलग रखने की बात कही है। निस्संदेह भाजपा को लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका के प्रति अपने सम्मान की भी पुष्टि करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि जब तक दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक भाजपा का यह दावा अविश्वसनीय ही बना रहेगा। पहले भी भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तब भी उस बयानबाजी को प्रश्रय नहीं दिया, जब आक्रामक बयानबाजी करने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अनर्गल बयानबाजी की थी। उल्लेखनीय है कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहकर हंगामा कर दिया था। तब भी पार्टी ने बस इतना किया था कि उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और संसदीय पैनल से हटा दिया था। तब उन्होंने दो बार लोकसभा में माफी भी मांगी थी। कालांतर समय के साथ मामला शांत हो गया था। जैसा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उम्मीद भी थी। लेकिन इस बार भी यदि ऐसा ही नतीजा सामने आता है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता। यह देखते हुए कि दुबे और शर्मा ने मर्यादा की एक सीमा रेखा को पार किया है ,यह स्पष्ट रूप से न्यायालय और संविधान की अवमानना के दायरे में है। जिसके लिये उन्हें क्षमा नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, ऐसे अप्रिय विवादों से जनता में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव का नकारात्मक संदेश जाता है। जिससे अनावश्यक संवैधानिक संकट की स्थिति भी बन सकती है। जनता में लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों को लेकर अविश्वास का भाव पैदा नहीं होना देना चाहिए। दरअसल, ऐसे अनावश्यक विवादों से किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। बल्कि तल्ख बयानबाजी से बेकार की बहस बढ़ने की आशंका ही बलवती होती है। खासकर संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को तो ऐसी बयानबाजी से परहेज करना ही चाहिए। दरअसल, संविधान ने न्यायपालिका को कुछ ऐसे अधिकार दिए हैं कि जब पूर्ण न्याय के लिये कोई अन्य रास्ता नहीं बचता, तब वह विशिष्ट अनुच्छेदों से मिली शक्तियों का प्रयोग कर सकती है। दूसरे शब्दों में इसे उम्मीद के एक दरवाजे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

सीपीआई(एम) जनता के बीच जायेगी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की 24वीं कांग्रेस 6 अप्रैल को मदुरै में संपन्न हुई। कांग्रेस में स्वीकृत राजनैतिक प्रस्ताव में भाजपा-आरएसएस को अलग-थलग करने और उसे हराने का प्राथमिक उद्देश्य निर्धारित किया गया है। यह प्रस्ताव सही ढंग से इसका विश्लेषण करता है कि मोदी सरकार के लगभग 11 वर्षों के शासन में नव-फासीवादी विशेषताओं वाली दक्षिणपंथी, सांप्रदायिक, तानाशाही ताकतें मजबूत हुई हैं। यह प्रस्ताव रेखांकित करता है कि ष्मोदी सरकार हिंदुत्ववादी ताकतों और बड़े पूंजीपतियों के गठबंधन का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए, मुख्य कार्य भाजपा-आरएसएस और इसके पीछे की ताकत हिंदुत्व-कॉर्पोरेट गठजोड़ से लड़ना और उसे हराना है। इस राजनैतिक प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया है कि सांप्रदायिक ताकतों की विचारधारा और गतिविधियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष करके ही भाजपा और हिंदुत्ववादी ताकतों को अलग-थलग करना और हराना संभव है। हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता के खिलाफ सभी धर्मनिरपेक्ष ताकतों की व्यापक लामबंदी के लिए प्रयास करते हुए भी, सीपीआई(एम) इस बारे में स्पष्ट है कि हिंदुत्ववादी नवउदारवादी शासन के खिलाफ संघर्षों की सफलता के लिए सीपीआई(एम) और वामपंथी ताकतों की स्वतंत्र ताकत का विकास जरूरी है। पार्टी और वामपंथ की स्वतंत्र ताकत और प्रभाव में ठहराव - और बाद में गिरावट - काफी समय से चिंता का विषय रहा है। पार्टी को अपने पूर्व गढ़ पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भारी असफलताओं का सामना करना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप उसका जनाधार कम हो गया है। इस संबंध में, राजनीतिक समीक्षा रिपोर्ट में यह उल्लेख करते हुए कि पार्टी भाजपा के विरुद्ध व्यापक धर्मनिरपेक्ष ताकतों को संगठित करने में सफल रही, आत्मालोचनात्मक रूप से यह भी स्वीकार किया गया है कि वह 23वीं कांग्रेस द्वारा निर्धारित अन्य कार्यभार को पूरा करने में विफल रही रू अर्थात् इसके साथ ही, माकपा और वामपंथ की ताकत और प्रभाव को बढ़ाना। 23वीं कांग्रेस में स्वीकृत राजनैतिक-रणनीतिक लाइन को सही बताते हुए 24वीं कांग्रेस ने हिंदुत्व और विभिन्न आरएसएस संगठनों के प्रभाव और गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए राजनीतिक, वैचारिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर गतिविधियों का संचालन करने के लिए पार्टी को तैयार करने का आह्वान किया है। यह प्रस्ताव दोहराता है कि भाजपा और आरएसएस को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है और उन्हें केवल चुनावी लड़ाइयों के जरिए नहीं हराया जा सकता है। यह देखते हुए कि पिछले दशक में हिंदुत्ववादी ताकतों ने वैचारिक प्रभाव के आधार पर एक बड़ा समर्थन आधार बनाया है, उनका मुकाबला करने के लिए एक सर्वसमावेशी कार्यक्रम का होना आवश्यक है। इस दिशा में पार्टी मजदूर वर्ग के बीच और मजदूर वर्ग के रिहायशी इलाकों, ट्रेड यूनियनों और अन्य जन संगठनों और मंचों पर सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए सांप्रदायिकता विरोधी कामों को संगठित करने पर विशेष ध्यान देगी। अन्य उपायों के अलावा, पार्टी धार्मिक आस्था और राजनीतिक लाभ के लिए धर्म के दुरुपयोग के बीच अंतर समझाने के लिए आस्थावानों तक पहुँचेगी।

RNI NO. : DELHIN/2022/86048

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

सम्पादक : मो. अकिलुर रहमान

Email : rajnitikdaon@gmail.com

Mob : 9560268603

अब सुप्रीम कोर्ट को धौंस

राजेंद्र शर्मा

फासीवादियों की एक जाने-मानी रणनीति है। जो खुद करना चाहते हो, करने जा रहे हो, विरोधी पर वही करने का आरोप लगा दो। भाजपा के बदजुबान पर मोदी जी निजाम के मुंहलगे सांसद, निशिकांत दुबे सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, संजीव खन्ना पर श्श्देश में हो रहे सभी गृह युद्धोंश्श् की जिम्मेदारी डालने के जरिए, ठीक यही दांव आजमा रहे थे। कहने की जरूरत नहीं है कि दुबे का उक्त बयान, वक्फ कानून की वैधता के लिए चुनौतियों की सुनवाई के क्रम में संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यीय खंडपीठ द्वारा अपनाए गए आरंभिक रुख के संदर्भ में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में क्या कहा है और क्या किया है, इसकी चर्चा हम जरा आगे चलकर करेंगे। यहां सिर्फ इतना कि अगर भाजपा के अघोषित प्रवक्ता के रूप में दुबे को, इस संदर्भ में गृहयुद्धों की याद आ गयी है, तो यह संयोग ही नहीं है। इसमें वक्फ कानून को लाने के पीछे संघ-भाजपा निजाम के असली मकसद का इशारा है। और यह मकसद है, मुसलमानों की स्थिति को और कमजोर करना, उन्हें और दबाना, जिसके संबंध में वे भी बखूबी जानते हैं कि यह देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। लेकिन, किसी कमजोर, अल्पसंख्यक को दबाने वाला गृहयुद्ध ही उनका वाक्य है न कि गृहयुद्ध से बचाव। याद रहे कि दुबे ने एकवचन में गृहयुद्ध की नहीं, बहुवचन में श्श्गृहयुद्धोंश्श् की बात कही है। उसका इशारा सुप्रीम कोर्ट के हाल के कुछ और महत्वपूर्ण फैसलों की ओर भी है। इशारा खासतौर पर राज्यपालों की भूमिका और विशेष रूप से राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों के संदर्भ में राज्यपालों की भूमिका को लेकर, तमिलनाडु बनाम राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के ही फैसले की ओर है। उस निर्णय से जुड़ा गृहयुद्ध का इशारा, आम तौर पर राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ और खासतौर पर दक्षिण भारतीय राज्यों की भाषायी-सांस्कृतिक-सामाजिक स्वायत्तता के खिलाफ, संघ-भाजपा की एकात्मकतावादी मुहिम में निहित गृहयुद्ध की संभावनाओं की ओर है। इस प्रसंग में इसकी याद दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि तमिलनाडु की हिंदी थोपे जाने की चिंताओं का आधे-अधूरे तरीके से सरकार की ओर से खंडन किए जाने के बीच ही, महाराष्ट्र की भाजपा-नीत गठजोड़ सरकार ने तमिलनाडु की आशंकाओं को ही सच साबित करते हुए, इसका ऐलान कर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत, त्रिभाषा फार्मूले की तीसरी भाषा के रूप में महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्य की जा रही है। हैरानी की बात नहीं है कि इस निर्णय का व्यापक रूप से विरोध भी हो रहा है। बहरहाल, इसके सामानांतर मुंबई के कुछ हिस्सों से एक बार फिर गुजरातियों और मराठियों के बीच तनाव बढ़ने की खबरें आने लगी हैं। यह भी याद रहे कि तमिलनाडु बनाम राज्यपाल प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हमले की शुरूआत, निशिकांत दुबे से दो-तीन दिन पहले, भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कर चुके थे। धनखड़ जो सर्वोच्च न्यायालय के तथाकथित अतिक्रमणों से संसद की और वास्तव में कार्यपालिका की हिफाजत करने के नाम पर पहले भी कई बार तलवार भांज चुके हैं, इस बार सर्वोच्च न्यायालय से इस बात से खफा थे कि उसने राज्यपालों द्वारा और यहां तक कि राष्ट्रपति द्वारा भी, राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित किए गए विधेयकों पर मंजूरी या नामंजूरी का निर्णय करने के लिए, तीन महीने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। उनके अनुसार यह राष्ट्रपति की और उसकी नियुक्तियों के रूप में राज्यपालों की भी सर्वोच्चता का अतिक्रमण है! अदालत राष्ट्रपति को कुछ भी निर्देश कैसे दे सकती है, भले ही यह इसी का निर्देश क्यों न हो कि राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे ही नहीं रहें, तीन महीने के अंदर उन पर अपना कोई न कोई फैसला दे दें! सर्वोच्च न्यायालय को पूर्ण न्याय करने में समर्थ बनाने वाली संविधान की धारा-142 को तो उपराष्ट्रपति धनखड़ ने श्श्जनतांत्रिक ताकतों के खिलाफ नाभिकीय मिसाइल, जो न्यायपालिका को 24 घंटा 7 दिन उपलब्ध हैश्श् ही करार दे दिया। यह इसके बावजूद था कि बाबरी मस्जिद बनाम रामजन्म भूमि विवाद में, मंदिर के पक्ष में अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कथित रूप से श्श्पूर्ण न्यायश्श् करने के लिए ठीक इसी धारा का सहारा लिया था। फिर भी यह अकारण ही नहीं है कि धनखड़ से भिन्न, निशिकांत दुबे तथा दिनेश शर्मा जैसे भाजपायी सांसदों ने, आम तौर पर सर्वोच्च न्यायालय पर और खासतौर पर मुख्य न्यायाधीश पर निशाना साधते हुए, वक्फ बोर्ड के मुद्दे को ही सबसे आगे रखा है। इसका सीधा संबंध, वक्फ कानून में संशोधनों के हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक मंतव्यों से है। बेशक, संघ-भाजपा की ओर से इसका काफी स्वांग भी किया जाता रहा है और जाहिर है कि इसमें संसद में बहस के दौरान तथा उसके बाद के भी उनके जुबानी दावे भी शामिल हैं, कि ये संशोधन वास्तव में मुसलमानों को लाभ पहुंचाने की चिंता से किए जा रहे हैं। कि इन संशोधनों से विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं व पसमांदा मुसलमानों को और मुसलमानों के बोहरा आदि कमजोर पंथों को फायदा मिलने वाला है। कि इसका हिंदुओं के तुष्टिकरण से कोई संबंध नहीं है, आदि। इसके बावजूद, इस पूरे प्रोजेक्ट के पीछे की असली नीयत तब खुलकर सामने आ गयी जब रातों-रात संघ-भाजपा के युवा संगठनों ने विभिन्न राज्यों को ऐसे पोस्टरों से पाट दिया, जो वक्फ संशोधन विधेयकों का विरोध करने वाली राजनीतिक पार्टियों को, हिंदू-विरोधी घोषित करते थे। यह इसका खुला ऐलान था कि यह कानून, सबसे बढ़कर हिंदू सांप्रदायिकता के आग्रहों से ही संचालित है। एक प्रकार से देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट ने इस वक्फ अधिनियम के खिलाफ चुनौतियों की सुनवाई पर अपनी शुरूआती प्रतिक्रिया में बिना कहे इस सच्चाई को स्वीकार भी किया है। इसीलिए, सर्वोच्च न्यायालय ने इस अधिनियम के कम से कम तीन पहलुओं पर फौरी तौर पर रोक लगाने की जो मंशा जतायी थी, उसके बाद मोदी सरकार ने अपनी ओर से ही संबंधित पहलुओं का परिचालन अगले अदालती आदेश तक रोके रखने का आश्वासन दे दिया। अदालत ने इस आश्वासन को आधिकारिक रूप से दर्ज कर लिया और इस तरह वक्फ अधिनियम के अमल को ही अदालत द्वारा रोके जाने की शर्मिंदगी से तो सरकार बच गयी, लेकिन इन कदमों को अपनी ओर से ही रोके रखने का वादा करने के बाद ही। इस तरह जिन दो सबसे समस्यापूर्ण पहलुओं का अमल रोक दिया गया, उनमें एक तो वक्फ बोर्ड तथा वक्फ काउंसिल का राज्यों के स्तर तक पुनर्गठन ही है। इस सिलसिले में विवाद तथा अदालती चुनौती के केंद्र में अधिनियम का यह प्रावधान है कि अब तक के कायदे के विपरीत, उक्त निकायों में गैर-मुसलमानों को भी रखा जा सकता है। शिकायत यह है कि नये प्रावधानों के तहत बोर्ड और काउंसिल में गैर-मुस्लिमों का बहुमत तक हो सकता है। इस संदर्भ में इस कानून का विरोध करने वालों का तर्क यह है कि यह तो अपनी धार्मिक संस्थाओं का स्वतरू रूप से संचालन करने की, देश के संविधान में सभी समुदायों को दी गयी स्वतंत्रता का ही उल्लंघन है। इसके अलावा इस प्रबल तर्क का भी सरकार के पास कोई जवाब नहीं था कि क्या वह अन्य धर्मों पर व संप्रदायों की संस्थाओं में भी इसी प्रकार, अन्य धर्मावलंबियों को जगह देने जा रही है? फिलहाल स्थगित कर दिया गया दूसरा ऐसा ही समस्यापूर्ण पहलू वक्फ बाई यूज यानी वक्फ के रूप में उपयोग होते आने से किसी संपत्ति की वक्फ के रूप में मान्यता का है। नया कानून वक्फ बाई यूज को अमान्य करता है और इस प्रकार सैकड़ों साल पुरानी अनेक मस्जिदों, कब्रिस्तानों, खानकाहों आदि पर संपत्ति विवादों का रास्ता खोलता है। मुद्दा यह है कि वर्तमान संपत्ति रजिस्ट्रेशन कानूनों के अमल में आने से पहले से वक्फ के रूप में चली आ रही संपत्तियों के मामले में, रजिस्ट्रेशन आदि के कागजात कहां से आएंगे और किस के पास मिलेंगे? इस तरह नये कानून के बनते ही, अनेक पुरानी संपत्तियों पर विवाद खड़े हो जाने का रास्ता रोक दिया गया है। बेशक, नये कानून को चुनौती दिए जाने के प्रमुख मुद्दे और भी हैं, जिन पर फिलहाल पाबंदी लगाना जरूरी नहीं समझा गया है। इनमें बुनियादी धार्मिक स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाला यह प्रावधान भी शामिल है कि वक्फ करने के लिए, संबंधित शख्श का पांच साल से धर्मपालक मुसलमान रहा होना जरूरी है। इसी प्रकार, एक और महत्वपूर्ण मुद्दा नये कानून में जिलाधीश को वक्फ संपत्तियों के दर्जे के संबंध में निर्णय के तमाम अधिकार सौंपे जाने से लेकर, किसी संपत्ति को लेकर विवाद खड़ा किए जाने की सूरत में, जिलाधीश द्वारा अंतिम निर्णय किए जाने तक, उसका वक्फ संपत्ति का दर्जा ही स्थगित हो जाने तक जाता है। बहरहाल, फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने अपने हस्तक्षेप से नये कानून के सबसे आपत्तिजनक तथा समस्यापूर्ण प्रावधानों का अमल स्थगित करा दिया है और अदालत ने एक हद तक अपने सोच की दिशा का भी इशारा कर दिया है। यही सुप्रीम कोर्ट पर संघ-भाजपा के इस बौखलाहट भरे हमले का मुख्य कारण है।

सर्वोच्च न्यायालय का वक्फ कानून पर सबको खुश करने वाला अंतरिम आदेश

के रवींद्रन

विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश ने विरोधी खेमों के बीच एक असामान्य संतुलन पैदा कर दिया है, जो निर्णायक हस्तक्षेप के बजाय एक सुनियोजित संतुलनकारी कार्य का संकेत देता है। हालांकि यह आदेश संशोधनों के कार्यान्वयन पर पूर्ण रोक का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, लेकिन यह न्यायिक संयम की एक परत पेश करता है जो आश्वस्त और अस्थिर दोनों है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किस पक्ष में है। यह कानूनी युद्ध के मैदान को खुला छोड़ देता है, लेकिन संकेत- हालांकि कमजोर- सरकार की स्थिति के अंतिम समेकन की ओर इशारा करते हैं।सरकार को यथास्थिति बनाये रखते हुए अधिक मजबूत तर्क प्रस्तुत करने का समय देकर, न्यायालय ने अधिक गहन जांच के लिए मंच तैयार किया है जो अंततरू विचाराधीन संशोधनों को वैध बना सकता है। सरकार के दृष्टिकोण से, यह अंतरिम व्यवस्था न केवल स्वीकार्य है- परन्तु उसके लिए लाभप्रद भी है। यह मौजूदा कानूनी ढांचे में ठोस खामियों को प्रदर्शित करके बहस को सैद्धांतिक से अनुभवजन्य में बदलने की अनुमति देता है। पूरे गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित किये जाने की रिपोर्ट, अक्सर निवासियों की जानकारी या सहमति के बिना, निराशा की एक लहर पैदा करती है जिसे सरकार न्यायालय के समक्ष बढ़ाना चाहती है। इस मुद्दे को सामूहिक वंचितता और प्रणालीगत अस्पष्टता के रूप में प्रस्तुत करके, सरकार न केवल प्रशासनिक आवश्यकता, बल्कि सामाजिक न्याय की कहानी गढ़ रही है। फिर महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कहानी एक ऐसी अदालत के साथ प्रतिध्वनित होने की संभावना है जिसने पिछले फैसलों में कानून की सिद्धांतवादी व्याख्याओं पर संतुलन और व्यावहारिकता की ओर झुकाव दिखाया है। समान रूप से महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि न्यायालय ने संशोधित कानून के संचालन पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन मुकदमे के लंबित रहने के दौरान यथास्थिति में इस तरह से बदलाव न करने की चेतावनी दी, जिससे किसी भी पक्ष के अधिकारों को नुकसान पहुंचे। यह दोहरा उद्देश्य पूरा करता है। ये कानूनी चुनौती को निरर्थक बना सकते हैं। लेकिन सरकार के लिए, यह अभी भी अपना मामला बनाने, डेटा एकत्र करने और पिछली व्यवस्था के तहत लंबे समय से चले आ रहे अन्याय के लिए आवश्यक सुधार के रूप में संशोधन को तैयार करने का रास्ता खुला छोड़ता है। न्यायालय के निर्देश के शब्द ही कठोर अंतरिम कदम उठाने की अनिच्छा को दर्शाते हैं, जो अंतिम फैसले के समय उसके हाथ बांध सकते हैं। इस स्थिति से जो उभरता है, वह एक तरह की न्यायिक हेजिंग है- चुनौती देने वालों को उम्मीद देने के लिए पर्याप्त अस्पष्टता, लेकिन सरकार के लिए पैंतरेबाजी करने के लिए पर्याप्त जगह। चुनौती देने वालों को निश्चित रूप से न्यायालय द्वारा की गयी कुछ टिप्पणियों से सांत्वना मिली है, जो संशोधनों से प्रतिकूल रूप से प्रभावित लोगों के अधिकारों के लिए कुछ हद तक सहानुभूति का संकेत देती हैं। लेकिन यह सांत्वना अंततरू वास्तविक से ज्यादा बयानबाजी साबित हो सकती है। न्यायालय का इतिहास बताता है कि जब तक विचाराधीन कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक या घोर अन्यायपूर्ण न हो, तब तक यह विधायी और कार्यकारी शाखाओं के अधीन रहता है, खासकर जब व्यापक शासन संबंधी मुद्दे शामिल हों।क्रिश्चियन एलायंस और एसोसिएशन ऑफ सोशल एक्शन जैसे नये हस्तक्षेपकर्ताओं के साथ सरकार का रणनीतिक गठबंधन इसके हाथ को और मजबूत करता है। इन समूहों का तर्क है कि पिछले कानून को धार्मिक या संस्थागत दावों के तहत व्यक्तियों- अक्सर अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से- को उनके वैध संपत्ति अधिकारों से वंचित करने के लिए हथियार बनाया गया था। ऐसी आवाजों को एकजुट करके, सरकार कानून को बहुसंख्यकवादी थोपे जाने के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्मनिरपेक्ष, समावेशी सुधार के रूप में फिर से परिभाषित कर रही है। यह पुनर्स्थापन महत्वपूर्ण है। यह मुद्दे को एक संकीर्ण प्रशासनिक बदलाव से संपत्ति के अधिकारों को बहाल करने और ऐतिहासिक असंतुलन को ठीक करने के लिए एक नैतिक धर्मयुद्ध में बदल देता है। न्यायपालिका, जब इस तरह के नैतिक ढांचे का सामना करती है- खासकर अगर वास्तविक जीवन की गवाही और आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है-अक्सर विधायी इरादे को बनाये रखने की ओर झुक जाती है जब तक कि एक मजबूत संवैधानिक उल्लंघन साबित न हो जाये। नये कानून के तहत प्रक्रियात्मक चिंताएं या कथित अतिक्रमण के उदाहरण भी इसे अमान्य करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं जब तक कि मनमानी या लक्षित भेदभाव का एक स्पष्ट पैटर्न नहीं दिखाया जा सकता है। अब तक, चुनौती देने वालों ने वास्तविक नुकसान के प्रलेखित मामलों के बजाय संभावित दुरुपयोग के जोखिम पर अधिक ध्यान दिया है। इसके विपरीत, सरकार मौजूदा प्रणाली की विफलताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो पहले से ही मूर्त और प्रदर्शन योग्य हैं। साक्ष्य की गुणवत्ता और प्रकृति में यह विषमता अंतिम निर्णय में भारी पड़ सकती है। इसके अलावा, अदालत की अंतरिम टिप्पणियों की भाषा संभावित जटिलताओं के बारे में गहरी जागरूकता का सुझाव देती है जो विधायी प्रक्रिया में समय से पहले हस्तक्षेप करने से उत्पन्न हो सकती हैं। इस बात पर जोर देकर कि मामले के लंबित रहने के दौरान कोई नयी जटिलताएं पेश नहीं की जानी चाहिए, अदालत समय खरीदती हुई प्रतीत होती है - न कि समय पर निर्णय लेने के लिए कानून के बारे में बात करना और बिना व्यवधान पैदा किए निष्पक्ष सुनवाई करना। यह सतर्क दृष्टिकोण, तटस्थ प्रतीत होते हुए भी, अक्सर यथास्थिति या इस मामले में, नये पेश किये गये परिवर्तनों के पक्ष में काम करता है। एक बार जब कोई कानून व्यवस्था में स्थापित हो जाता है - यहां तक कि एक अंतिम क्षमता में भी- तो इसे उलटना संस्थागत रूप से अधिक कठिन हो जाता है जब तक कि ऐसा करने के लिए कोई भारी कारण न हो। इसके अतिरिक्त, संशोधनों का समर्थन करने वाली आवाजों की बढ़ती संख्या से न्यायालय के प्रभावित होने की संभावना है, विशेष रूप से हाशिए के समुदायों और सामाजिक वकालत समूहों से। ये हितधारक अपने साथ एक हद तक नैतिक और सामाजिक-राजनीतिक वैधता लाते हैं जिसे नजरंदाज करना मुश्किल है। कानूनों के पिछले शासन के तहत बहिष्कार और बेदखली के उनके आख्यान एक भावनात्मक और मानवीय आयाम पेश करते हैं जो अन्यथा एक अमूर्त कानूनी प्रतियोगिता हो सकती है। यदि चुनौती देने वाले तुलनात्मक रूप से सम्मोहक प्रति-कथा प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं - जो कानूनी तकनीकों से परे हो और न्याय को एक आंतरिक तरीके से संबोधित करे-तो पेंडुलम सरकार के पक्ष में झूलता रहेगा।

राहुल ने खोली चुनाव आयोग की पोल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जब भी विदेश दौरों पर जाते हैं, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की जान सांसत में होती है। राहुल गांधी इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं ही, उन्हें एक बड़े नेता के तौर पर भी देखा जाता है। देश में तो राहुल गांधी भाजपा एवं उसकी एनडीए सरकार के खिलाफ संसद के भीतर-बाहर अभियान छेड़े हुए हैं ही, विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों से वे लोकतंत्र के लिए अपनी चिंताओं को साझा करते हैं। राहुल अभी अमेरिका प्रवास पर हैं। वहां उन्होंने अपनी पहली सभा में भारत के केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की कार्यपद्धति की जमकर आलोचना की। किस तरह से पूरी निर्वाचन पद्धति सत्तारुढ़ भाजपा के पक्ष में काम करती है, उन्होंने इसका लेखा-जोखा सामने रखा है। अमेरिका के बोस्टन शहर पहुंचे राहुल ने व्यवसायियों और वहां रहने वाले भारतीयों से बातचीत में भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारे सामने यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और निर्वाचन प्रणाली में व्यापक गड़बड़ियां हैं। राहुल गांधी ने कहा- मैंने यह कई बार बताया है, खासकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रदेश के वयस्क नागरिकों की संख्या से कहीं अधिक लोगों ने

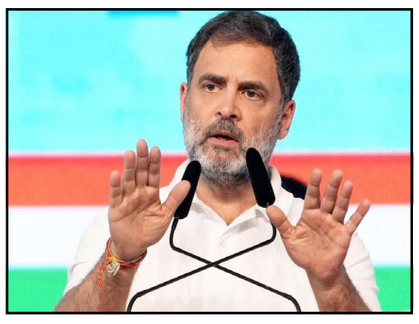

वोटिंग की। चुनाव आयोग द्वारा शाम 5.30 बजे तक मतदान के आंकड़े जारी किये गये थे। बाद में जो अंतिम आंकड़े प्रदान किये गये उसके अनुसार शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे के बीच 65 लाख लोगों ने मतदान किया। ऐसा होना संभव ही नहीं है क्योंकि एक व्यक्ति को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं। इस हिसाब से तो सुबह 2 बजे तक मतदाताओं की कतारें लगनी चाहिये थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब कांग्रेस व विपक्ष ने आयोग से वीडियो सबूत मांगे तो उसे न केवल मना कर दिया गया बल्कि आयोग ने कानून ही बदल दिया ताकि विपक्षी दल वीडियोग्राफी के लिए न कह सकें। गौरतलब है कि राहुल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ऐसे वक्त में चुनावी गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है जब कुछ ही दिनों पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके खासमखास दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने साफ किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। बैलेट पेपर की हिमायत करते हुए मस्क ने तो यहां तक कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। यानी वे उस आरोप की पुष्टि कर रहे हैं जो भारत के कई विपक्षी दल 2022 से लगा रहे हैं। आरोप हैं कि पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में वोटिंग मशीनों में बड़े पैमाने पर धांधली कर भाजपा ने दो-चार नहीं वरन लगभग 80 सीटें जीती हैं। इतना ही नहीं, कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी एक खास पैटर्न के द्वारा हारती हुई भाजपा ने चंद घंटों में इतनी सीटें जीत लीं कि वह सरकार बनाने में कामयाब हो गयी। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के उदाहरण इस सिलसिले में दिये जाते हैं। वैसे तो भारत में जिस तरह से शासकीय मशीनरी के जरिये लोकतंत्र को अपहृत किया गया है और मोदी सरकार निरंकुश तरीके से काम कर रही है, वह दुनिया अब जान चुकी है, राहुल द्वारा जो बातें भारतीय समुदायों के समक्ष कही जा रही हैं, वह दूर तलक जायेगी क्योंकि वहां का मीडिया एक तरह से वैश्विक कहा जाता है जो निश्चित ही भारतीय मीडिया के मुकाबले बहुत अधिक जनतांत्रिक, स्वतंत्र और निष्पक्ष है। भारत का मीडिया विपक्ष की बातों को जहां स्थान नहीं देता वहीं अमेरिकी या लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व किसी भी देश का मीडिया सरकार की बजाय प्रतिपक्ष को तरजीह देता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की बातें एक बार फिर से विश्वपटल पर प्रमुखता से लोगों के सामने आयेगी। अनुमानों के मुताबिक भाजपा ने राहुल के इस बयान को संवैधानिक संस्थाओं का अपमान बताया तथा राहुल पर देश को बदनाम करने की सुपारी लेने का आरोप लगा दिया है। पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि, राहुल गांधी विदेश जाकर संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। यही उनकी पहचान बन गई है। यह दिखाता है कि कुछ लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते हुए भारत के विरोध पर उतर गये हैं- वह भी विदेशी धरती पर। पूनावाला के अनुसार पूरी दुनिया भारत के चुनाव आयोग और निर्वाचन प्रणाली की प्रशंसा कर रही है पर भारत के खिलाफ और देश की बदनामी की सुपारी लेने का काम राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम कर रहा है।

बांदा में मानव एकता दिवस के अवसर पर निरंकारी भक्तों ने 60 यूनिट रक्तदान किया

मानव एकता दिवस – निष्काम सेवा का अनुपम संकल्प

संवाददाता

बांदा। मानव एकता दिवस के अवसर पर संत निरंकारी सत्संग भवन, शास्त्री नगर, अलीगंज, बांदा में, संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चौरिटेबिल फाउंडेशन के तत्वाधान में सत्संग समाप्ति के बाद एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन प्रात: 9.30 बजे से दोपहार 2.00 बजे तक क्षेत्रीय संचालक डा0 सुरेश सिहं जी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। जिसमें निरंकारी सेवादल एवं श्रद्धालु भक्तों द्वारा 60 यूनिट रक्तदान उत्साह पूर्वक किया। यह रक्दान शिविर शहर बांदा के अलावा झांसी, ललितपुर, मऊरानीपुर, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट आदि सत्संग भवनों में भी आयोजित किये गये। एवं इस अवसर पर इन सभी ब्रांचों में सत्संग कार्यकम आयोजित किये गये। रक्त संग्रह करने हेतु जिला चिकित्सालय बांदा के योग्य चिकित्सकों की टीम समस्त उपकरणों सहित इस पुनीत कार्य में उपस्थित रहे। प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता 'मानव एकता दिवस निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष 24 अप्रैल को बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाता है। यह दिन केवल पुण्य स्मरण का अवसर नहीं, अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का एक आत्मिक संगम है। मानव एकता दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा देशभर में रक्तदान की प्रेरक श्रृंखला आरंभ होती है, जो नि:स्वार्थ सेवा भावना की सामूहिक जागृति का स्वरूप बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती रहती है। इसके साथ ही सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेम, शांति और समरसता का प्रकाश भी जन-जन तक पहुँचाया जाता है। यह दिन इस बात का परिचायक है कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, अपितु निष्काम समर्पण का आत्मिक भाव है। इस वर्ष भी, संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष की लगभग 500 से अधिक ब्रांचों पर भव्य रक्तदान शिविरों की अविरल श्रृंखला आयोजित की गई। दिल्ली स्थित ग्राउंड नंबर 8, निरंकारी चौक बुराड़ी में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर विशेष रूप से केंद्र बिंदु रहा, जहाँ श्रद्धालु अधिक संख्या में सम्मिलित हुए। सभी ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ स्वेच्छा भाव से रक्तदान कर मानव कल्याण में अपना सहयोग दिया। यह महाअभियान केवल रक्तदान नहीं, बल्कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की करुणा, सेवा और एकत्व के संदेश को जीवन में उतारने का सजीव माध्यम है जो हमें सिखाता है कि मानवता ही सर्वोच्च धर्म है। इसी प्रेरणा से प्रेरित संत निरंकारी मिशन, सेवा और समर्पण के पथ पर निरंतर मानवता का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

इफको: नि:शुल्क ड्रोन उपलब्ध कराने की घोषणा

संवाददाता

प्रयागराज। इफको फूलपुर इकाई की टीम ने स्थानीय गाँव कनेहटी में जाकर किसान चौपाल लगाया जिसमें किसानों को धान की फसल पर नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग विधि के बारे में बताया। टीम ने छिड़काव की विधि, इसकी मात्रा तथा इसके लाभ के बारे में बताया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने किसानों से वार्ता की तथा कहा कि नैनो उर्वरक फसल की पैदावार बढ़ाने में सहायक है अत: इसका अधिक से अधिक प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि अपने जमीन एक हिस्से में नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी का अवश्य प्रयोग करें तथा अंतर देखे। उन्होने कहा कि आप सभी किसान इसका प्रयोग करें और यदि कोई समस्या हो तो हमारी टीम से सम्पर्क करें, हम तुरंत मदद मुहैया करवायेंगे। इस वर्ष इफको की तरफ से नि:शुल्क ड्रोन उपलब्ध कराने की घोषणा की नैनो उर्वरक के बारे में जागरूकता अति आवश्यक है। चौपाल में किसानों ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रति उत्साह दिखाया। इस दौरान ग्राम कनेहटी के ग्राम प्रधान अविनाश कुमार पटेल,हरीश गुप्ता पत्रकार,कोरडेट प्राचार्य डा.हरिशचन्द्र, जनसम्पर्क अधिकारी स्वयम् प्रकाश,प्रबंधक प्रशिक्षण अनुराग तिवारी,राजेश सिंह किसान राम मूरत पटेल,शिवम पटेल,तेज प्रताप मौजूद रहे।

बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर सम्मान संगोष्ठी का आयोजन, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य होंगे मुख्य अतिथि

संवाददाता

मथुरा। भारतीय संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी, मथुरा महानगर द्वारा 25 अप्रैल को एक भव्य ष्सम्मान संगोष्ठीष् का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रात: 11 बजे से बृज कला केन्द्र ऑडिटोरियम, मसानी तिराहा, मथुरा स्थित चमेली देवी स्कूल के सामने आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मा. केशव प्रसाद मौर्य होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री देवेश कोरी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने स्वयं संगोष्ठी स्थल पर पहुँचकर लिया। उन्होंने आयोजन को लेकर सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। भाजपा महानगर द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का उद्देश्य बाबा साहेब आंबेडकर के सामाजिक योगदान और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। भाजपा मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने भाजपा मथुरा महानगर ने सभी सम्मानित नागरिकों, कार्यकर्ताओं एवं गणमान्यजनों से कार्यक्रम में समय पर पहुँचने की अपील की है। इस अवसर पर पूर्व महापौर मुकेश आर्य बंधु संजय शर्मा कुंज बिहारी चतुर्वेदी हरिओम शर्मा रामकिशन पाठक अंकुर गुर्जर आदि मौजूद थे

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में होलीगेट पर कैंडल मार्च, भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

मथुरा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की स्मृति में भारतीय जनता युवा मोर्चा, मथुरा महानगर द्वारा गुरुवार को एक कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च विकास बाजारसे प्रारंभ होकर होली गेट चौराहा तक गया, जिसमें युवाओं के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हुए। कैंडल मार्च के समापन पर भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि, आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में निर्दोष लोगों को जिस क्रूरता से निशाना बनाया गया, वह पूरी मानवता के लिए शर्मनाक है। मथुरा की जनता इस दुख की घड़ी में शहीदों के परिजनों के साथ खड़ी है। युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष यज्ञ दत्त कौशिक ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, यह कैंडल मार्च केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ युवाओं की चेतना और एकजुटता का प्रतीक है। हम देश की अखंडता के लिए किसी भी स्तर तक जाने को तैयार हैं। मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि इस तरह के आयोजन युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति जागरूक करने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा, हमारी जिम्मेदारी है कि हम समाज को सही संदेश दें और देशविरोधी ताकतों के खिलाफएकजुट हों। मार्च में बड़ी संख्या में युवाओं, स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव संजय शर्मा हरिओम शर्मा एड. रामकिशन पाठक विजय शर्मा मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा अभिषेक चतुर्वेदी सर्वेश चतुर्वेदी बादल शर्मा अंकित सक्सेना अशोक यादव प्रणव पाराशर मनोज सरोठ कृष्णा आचार्य नितिन चतुर्वेदी आदि मौजूद थे।

व्यापारियों ने बाजार बंद कर आतंकी हमले का विरोध जताया

संवाददाता

कानपुर। व्यापारी एसोसिएशन ने गुमटी नंबर 5 गुरु गोविंद सिंह चौक में बाजारे बंद रखकर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का विरोध करते हुए आतंकवाद का पुतला फूंका अध्यक्ष संजय टंडन महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल संयोजक सरबजीत सिंह कोषाध्यक्ष रोमी अरोड़ा महेश केसवानी इंद्रपाल सिंह अमित घई बलवीर सिंह अरोड़ा ? शिवम रामचंदानी रवि मल्होत्रा अमित अरोड़ा महेश गोलू मोलू अमित चढ़ा आज लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा की सख्ती: धारा-24 के मामलों में लापरवाही पर 33 राजस्व निरीक्षकों का वेतन रोका गया

ब्यूरो

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा राजस्व कार्यों की समीक्षा के क्रम में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा-24 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निस्तारण में शिथिलता बरतने वाले 33 राजस्व निरीक्षकों का वेतन अग्रिम आदेशों तक बाधित कर दिया गया है। यह कार्यवाही राजस्व निरीक्षक स्तर पर अपेक्षित प्रगति न होने के कारण की गई है। धारा-24 क्या है उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 24 के तहत, कोई भी व्यक्ति संक्रमणीय भूमि की पैमाइश करवा सकता है। इसके लिए, आवेदक को प्रार्थना पत्र के साथ नक्शा, खसरा, खतौनी (की प्रमाणित प्रति) और निर्धारित शुल्क की रसीद संलग्न करनी होती है। यह जनहित से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे न केवल भूमि से जुड़े विवाद सुलझते हैं बल्कि सरकारी अभिलेख भी अद्यतन रहते हैं। पिछले निर्देशों के बावजूद अनेक राजस्व निरीक्षकों द्वारा मार्च 2025 में 10 से भी कम प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिसे जिलाधिकारी ने गंभीर लापरवाही माना।

निस्तारण में रुचि नहीं, वेतन भी नहीं: जिलाधिकारी ने लिया कठोर निर्णय

उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक कार्यों में उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और ऐसे मामलों में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे व्यक्तिगत रूप से मामलों की मॉनीटरिंग करें और धारा-24 के सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक उत्तरदायित्व निभाना प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। तरबगंज हनुमान प्रसाद पाण्डेय,श्री आदित्य प्रसाद सिंह,जावेद अख्तर, नन्दलाल यादव वीरेंद्र प्रताप सिंह,राजेन्द्र प्रसाद वर्मा,सुशील कुमार पाण्डेय,अरुण कुमार सिंह राकेश कुमार गुप्ता,राज किशोर श्रीवास्तव,हरिशंकर सिंह, कन्हैयालाल,राजकुमार पाण्डेय, रमेश चन्द्र वर्मा, ज्ञानदास, कुंवर बहादुर मौर्या अशोक कुमार शुक्ला, परशुराम, करुणेश कुमार,ज्ञानप्रकाश मिश्र, मो0 अकलीम,दिनेश प्रताप तिवारी,देवी प्रसाद,निरंकार प्रसाद अम्बर प्रसाद तिवारी,रामसंवारे तिवारी, भानुप्रकाश वर्मा,संजय शुक्ला, ईश्वर सरन तिवारी,हनुमान प्रसाद,अवनीश कुमार मिश्रा,राम बहादुर पाण्डेय,अनूप कुमार

जिलाधिकारी ने मृतक के आश्रित को दी नौकरी, सौंपा नियुक्ति पत्र

हमीरपुर। आज जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मृतक आश्रित कोटे के अंतर्गत श्री प्रभात कुमार पुत्र स्व. प्रकाश चन्द्र को कलेक्ट्रेट में नियुक्ति पत्र दिया। प्रभात कुमार को कलेक्ट्रेट में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि उनके पिता स्व. प्रकाश चन्द्र हमीरपुर सदर तहसील में नजारत चपरासी के पद पर करत थे। जिनकी बीमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए योग्यता के आधार पर मृतक की पुत्र को कलेक्ट्रेट में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए आगे के उज्जवल भविष्य की कामना की।

डिजिटल अरेस्ट का खौफ दिखाकर बुजुर्ग से की लाखों की ठगी तीन अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

कानपुर। शताब्दी नगर, पनकी निवासी विनोद कुमार झा ने साइबर क्राइम थाना कमिश्नरेट कानपुर नगर में आकर शिकायत दर्ज की कि मेरे पास दिल्ली में एक फर्जी कम्पनी खोलने व इसका टैक्स जमा न करने के नाम पर एक फोन आया जिसके लिए मैने मना किया कि मैने कोई कम्पनी नहीं खोली है तो उन्होने इसके लिए एफ आई. आर. लिखवाने तथा मेरे एकाउंट को वैरीफाई करने आदि के नाम पर इन्कमटैक्स का भय दिखाकर धमकी दिया और घर पर डिजीटल अरेस्ट करने को बोलकर मेरे साथ 82 लाख 30 हजार रूपए की साइबर ठगी कर ली जिस पर साइबर थाना पर मु0अ0सं0 20ध्2025 धारा 318(4) बी.एन.एस. व 66 डी आईटी एक्ट पंजीकृत कराया गया। साइबर थाना में अभियोग पंजीकृत करके तत्काल जाँच कर सभी लाभार्थी बैंक खातो को फ्रीज कराया गया विवेचना के क्रम में जाँच करते हुए आज दिनांक 23ध्04ध्2025 को थानाक्षेत्र टप्पल जनपद अलीगढ़ से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की गयी तो अभियुक्त रौबी कुमार पुत्र भरतलाल उपरोक्त ने बताया कि वो एक यूट्यूबर और गेमर है तथा फ्रीफायर नामक ऑनलाइन गेम खेलता है, गेम खेलने के साथ उसने यूट्यूब चौनल खोला था और यूट्यूब से ही डिजीटल अरेस्ट का नाम सूना और इसके करने के तरीके सीखे। यूट्यूब से सीखने के बाद उसने साइबर ठगी का काम शुरू किया और जब इस काम से पैसे आने लगे तो रौबी ने अपने गाँव के ही दो और साथियों जितेन्द्र कुमार व रविन्द्र सिंह को भी काम सिखा दिया। रौबी ने सिर्फइण्टरमीडिएट तक की पढ़ाई की और यूट्यूब से साइबर ठगी का तरीका सीखकर लोगों को फँसाने लगा। रौबी के साथी जितन्द्र कुमार ने बी. फार्मा व रवीन्द्र कक्षा 8 वीं पास है।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

दिव्यांगों ने फूंका आतंकवाद का पुतला

संवाददाता

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने आज शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क बगिया में पहलगाम के शहिदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से उनकी आत्मा शान्ति हेतु प्रार्थना की गयी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पुतला फूंक कर आतंकवाद के खात्मे को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान दिव्यांगजन हांथी में पोस्टर लिए हुए थे जिसमें लिखा था दिव्यांगों की ललकार मिटा दो अब आतंकवाद। शान्ति मत नष्ट करो आतंकवाद नष्ट करो ।मारो मारो आतंकवाद नष्ट करो अब आतंकवाद । भारत में खून नहीं अब बहने देंगे आतंकवाद मिटा के रहेंगे। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि देश में हुई आतंकी घटना की हम निन्दा करते हैं। प्रधानमंत्री देश में आतंकी घटनाएं रोकने के लिए कठोर कदम उठाए। आतंकवाद खात्मे के लिए पुरा देश सरकार के साथ खड़ा है। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि आतंकवाद का कोई जाति धर्म नहीं होता है, उनको समाज और परिवार से कोई मतलब नहीं रहता है।इसलिए आतंकवाद का रास्ता अपना चुके लोगों के साथ कोई रियायत नहीं देनी चाहिए। कठोर कार्यवाही करनी चाहिए। आज के कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, मण्डल अध्यक्ष अशोक कुमार, वैभव दीक्षित, गुड्डी दीक्षित, गौरव कुमार, जौहर अली, दिलिप कुमार, सत्य प्रकाश शर्मा, जितेन्द्र गुप्ता, गोमती वर्मा, सरला, राम जानकी, रुखसार, अर्जुन कुमार , सत्य प्रकाश शुक्ला, ममता कुमारी आदि शामिल थे।

प्रभारी अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

हमीरपुर। आज जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय के निर्देशानुसार कीर्ति माला सिंह प्रभारी अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में जेल अधीक्षक मंजीव विश्वकर्मा, जेलर केपी चंदीला, डिप्टी जेलर देवेन्द्र कुमार दुबे, लीगल एड डिफे ंस काउसिंल सिस्टम से आनंद कुमार सक्सेना चीफ लीगल एड डिफे ंस काउसिंल उपस्थित रहें। इसी क्रम में महिला बैरिक व बच्चा बैरिक का भी निरीक्षण किया गया और उनकी समस्यओं को भी सुन कर जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। जेल में अस्पताल का निरीक्षण कर बंदियों से उनकी दवा व समुचित इलाज उपलब्ध होने की जानकारी ली। प्रभारी सचिव द्वारा बंदियों को बताया कि जिन बंदियों के पास उनकी पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं है। वह जेल अधीक्षक के माध्यम से अपना प्रार्थना पत्र नि:शुल्क अधिवक्ता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में दे सकता है। प्रभारी अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर द्वारा बताया गया कि जिला कारागार का निरीक्षण समय-समय पर किया जायेगा।

चोरी के मोटरसाइकिल सहित दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर के निर्देशन में अपराध नियंत्रण व वांछितध्वारंटी अभियुक्तो के गिरफ्तारी हेतु चालाए जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना जरिया पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत म 60/2025 धारा 303(2), 317(2), ठछै से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण शिवम उर्फ पण्डा पुत्र अर्जुन सिंह व अंकित राजपूत पुत्र वीर सिंह को बागीपुर ग्राम जाने वाली मोड़ बहद ग्राम बागीपुरा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से उपरोक्त मुअसं. 60/2025 से सम्बन्धित चोरी गयी माल मोटरसाइकिल बरामद किया गया। गिरफ्तार हुआ अभियुक्त शिवम उर्फ पण्डा पुत्र अर्जुन सिंह निवासी रिगवारा कला थाना जरिया जनपद हमीरपुर (उम्र करीब 24 वर्ष) व अंकित राजपूत पुत्र वीर सिंह निवासी परछा थाना जरिया जनपद हमीरपुर (उम्र करीब 22 वर्ष) के कब्जे से मोटर साइकिल बरामद हुयी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक दिनेश प्रसाद, हेडकांस्टेबल शिवेन्द्र सिंह, कांस्टेबल कपिल कुमार शामिल रहे।

एसपी ने चिकित्सा परीक्षण/चरित्र सत्यापन केन्द्र का किया निरीक्षण

हमीरपुर। आज पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर द्वारा पुलिस लाइन हमीरपुर में आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती 2023 के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों के केन्द्र का निरीक्षण किया गया। चिकित्सा परीक्षण एवं चरित्र सत्यापन प्रक्रिया के सफल संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चिकित्सा परीक्षण एवं चरित्र सत्यापन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, मेडिकल बोर्ड के सभी सदस्यों के साथ-साथ अभ्यार्थियों से भी वार्ता की गई। हमीरपुर पुलिस भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने हेतु प्रतिबद्ध है।

रानी लक्ष्मीबाई तिराहे में लगे नलकूप की मोटर फुंकी दो वार्डो की जलापूर्ति ठप

पेयजल आपूर्ति न होने से दस हजार लोग प्रभावित

सुमेरपुर-हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे की रानी लक्ष्मीबाई तिराहा में पेयजल के लिए लगे नलकूप की मोटर फुंक जाने से बुधवार दोपहर से जलापूर्ति ठप होने से हाहाकार मच गया। भीषण गर्मी में लोग एक-एक बाल्टी पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। जल संस्थान नलकूप की मरम्मत करने में जुट गया है। इस नलकूप के खराब होने से दस हजार लोग प्रभावित हो रहे है। सुमेरपुर कस्बे के रानी लक्ष्मीबाई तिराहा में लगे नलकूप से वार्ड संख्या 14 एवं सात को पेयजल मिलता है। दो दिन पूर्व यह अचानक खराब हो गया था। मरम्मत के बाद इसको चालू किया गया था। बुधवार को दोपहर में यह अचानक फिर से ठप हो गया। इससे शाम को दोनों वार्डो में आपूर्ति नहीं हो सकी और सुबह से लोग एक-एक बाल्टी पानी के लिए परेशान रहे। गुरुवार को जल संस्थान ने मरम्मत का कार्य शुरू कराया है। लेकिन शाम तक यह चालू नहीं हो सका था। जल संस्थान के अवर अभियंता विश्वलेंद्र नाथ ने बताया कि नलकूप की मोटर फुंक गई है। शाम तक चालू करने का प्रयास किया जा रहा है।

मुंडेरा मार्ग में ट्रक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर दो घायल

सुमेरपुर-हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे के मुंडेरा मार्ग में दोपहर बाद कस्बे से लौटकर गांव जा रहे बाइक सवार दो युवकों को पचखुरा खुर्द व पंधरी के मध्य एक लकड़ी लदे ट्रक ने जोरदार टक्कर मारकर दस मीटर तक घसीट दिया। इस घटना में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हालत गंभीर होने पर दोनों को सदर अस्पताल रेफर किया गया है। बदनपुर निवासी राहुल प्रजापति 22 वर्ष अपने चचेरे भाई मुकेश प्रजापति 23 वर्ष के साथ कस्बे से सामान लेने बाइक से आए थे। दोपहर बाद करीब 3 बजे यह दोनों बाइक से वापस गांव जा रहे थे। तभी पंधरी के आगे पचखुरा के पहले एक लकड़ी के डंप से लकड़ी लादकर निकल रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक के डंफर में फंस जाने से करीब दस मीटर घिसट गई। इससे बाइक में सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर दोनों को एंबुलेंस की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हालत गंभीर होने पर दोनों को सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

गर्मी के कहर से आम लोगों के साथ पशु पक्षी बेहाल

सुमेरपुर-हमीरपुर। लू एवं गर्मी के कहर से जहां आम जनजीवन अस्त व्यस्त होने लगा है। वही दोपहर होते ही पशु पक्षी भी छांव तलाशने लगे हैं। लू एवं गर्मी का कहर लगातार सितम ढा रहा है। दोपहर होते ही सड़कों में सन्नाटा पसर जाता है। लोग बचाव के लिए घरों में कैद हो जाते हैं। अपरांह बाद ही चहल-पहल बढ़ती है। आम जनमानस की तरह दोपहर में पशु पक्षी भी छांव तलाशने लगते हैं। ज्यादातर पक्षी घने छांव वाले पेड़ों को दोपहर में अपना ठिकाना बनाने लगे हैं। पशु नदी सरोवरों नालों किनारे खड़े छायादार घने पेड़ों की शरण ले रहे है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डा. परवेज कादरी ने बताया कि लू जान लेवा है। इससे बचने के लिए सभी को इंतजाम करके ही चलना चाहिए। सिर ढक कर रखें। पानी साथ लेकर चलें। धूप की बजाय छांव में बैठे। यही बचाव के तरीके हैं। हल्का सुपाच्य भोजन ग्रहण करें। तरल पदार्थो का अधिक सेवन करना चाहिए।

व्यापार मंडल ने फूंका पाकिस्तान का पुतला निकाला गया कैंडिल माच

सुमेरपुर-हमीरपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना से उपजा क्रोध का ज्वार शांत नहीं हो रहा है। बुधवार को देर शाम लोगों ने कस्बे में कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। गुरुवार को व्यापार मंडल ने बस स्टैंड पर पाकिस्तान का पुतला जलाकर विरोध जताया। पहलगाम बैसरन में हुई आतंकी घटना के विरोध में बुधवार को देर शाम कस्बा वासियों ने कैंडल जुलूस निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस मौके कुलदीप शुक्ला, सागर सम्राट, कार्तिकेय गुप्ता, हर्ष गुप्ता, राधे शुक्ला, रितिक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एक नजर

पाकिस्तानी प्रोफेसर की दो टूक, क्या चीन क्या हमारा मामा लगता है?

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से देश में हलचल तेज है। भारत ने सिंधु जल समझौते को रोक दिया है। पाकिस्तान के लोगों के लिए वीजा पर पाबंदी है। वहीं दूतावास का स्टाफ भी कम किया गया है। अटारी सीमा से आवाजाही पूरी तरह बंद है। चर्चा हैं कि भारत कोई सैन्य एक्शन भी ले सकता है। इस बीच पाकिस्तान का कहना है कि उसका आंतकी घटना से लेना-देना नहीं है। लेकिन पाकिस्तान के ही प्रोफेसर इश्तियाक अहमद ने शाहबाज सरकार की पोल खोलकर खूब लताड़ा लगा दी है। उन्होंने कहा कि आखिर यह कैसा संयोग है कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ नफरत का इजहार किया और फिर इस तरह का हमला हो गया, जिसमें बेगुनाह लोग मारे गए। अहमद ने कहा कि आखिर पाकिस्तानी आर्मी चीफ को यह कहने की क्या जरूरत थी कि हम हिंदुओं से अलग हैं। उन्होंने टू नेशन थ्योरी पर तब वक्त में जोर दिया, जब पाकिस्तान के अंदर ही बवाल है। उन्होंने कहा कि ये भारत और हिंदुओं से खुद को अलग बताते हैं, लेकिन चीन से क्या रिश्ता है। उन्होंने कहा, चीन क्या हमारा मामा लगता है? वे नास्तिक हैं। चीन में इस्लाम को खत्म ही किया जा रहा है। आप वहां पर चुप हैं, हमारे जैसे लोग सोचते हैं कि ट्रेड रूट खुल जाएं और भारत से लेकर और मिडिल ईस्ट तक बिजनेस चले। प्रोफेसर अहमद ने कहा कि भारत से 4 जंगें हुई हैं और हम कश्मीर नहीं ले पाए। उल्टा अपना देश ही तुड़वा लिया। अहमद ने कहा कि सारी दुनिया में फिर से बदनामी होगी। कहा जाएगा कि यह आतंकवाद को समर्थन करने वाला देश है। पाकिस्तान में पूरी पावर सेना प्रमुख के पास है और वह टू नेशन थ्योरी जैसी बात करते हैं। पाकिस्तान गलत चीजें कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने हिंदुओं से खुद को अलग बताने वाला भाषण इसलिए दिया था ताकि आंतरिक बवाल को टाला सके। पाकिस्तान के अंदर ही बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बवाल है और उससे ध्यान भटकाने के लिए आर्मी चीफ ने ऐसा बयान दिया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति का बयान- रूस के साथ शांति वार्ता हानिकारक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर निशाना साधते हुए कहा कि क्रीमिया के मुद्दे पर जोर देकर वह युद्ध को लंबा खींच रहे हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब जेलेंस्की ने शांति योजना के तहत क्रीमिया को रूस को सौंपने से इनकार कर दिया है। जेलेंस्की ने लंदन में बुधवार को अमेरिका, यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता से पहले किसी भी समझौते के तहत यूक्रेन द्वारा रूस को क्षेत्र सौंपे जाने के विचार को खारिज कर दिया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि इस बारे में कोई बात नहीं होगी। यह हमारी भूमि है, यूक्रेनी लोगों की भूमि है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा- जेलेंस्की का यह बयान रूस के साथ शांति वार्ता के लिए बहुत हानिकारक है, क्योंकि क्रीमिया को वर्षों पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में गंवा दिया गया था, और यह चर्चा का विषय भी नहीं है। रूस ने यूक्रेन पर बुधवार रात बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए जिनमें 9 लोगों की मौत हो गई और छह बच्चों समेत 63 अन्य लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस ने कीव पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने बताया कि इन हमलों के कारण कई आवासीय इमारतों में आग लगने की सूचना है।

ट्रंप प्रशासन की शुल्क नीति के खिलाफ अमेरिका के 12 राज्यों में चलेगा मुकदमा

वाशिंगटन। अमेरिका के 12 राज्यों ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की शुल्क नीति को अवैध बताते हुए इसके खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है। याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप की इस नीति ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अराजकता पैदा कर दी है। मुकदमे में ट्रंप की इस दलील को चुनौती दी गई है कि वह अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत मनमाने ढंग से शुल्क लगा सकते हैं। राज्यों ने कोर्ट से इस नीति को अवैध घोषित करने और इसे लागू करने से सरकारी एजेंसियों एवं उनके अधिकारियों को रोकने का अनुरोध किया है। कोर्ट में मुकदमा दायर करने वाले राज्यों में ओरेगन, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, इलिनोइस, मेन, मिनेसोटा, नेवादा, न्यू मेक्सिको, न्यूयॉर्क और वर्मोंट शामिल हैं। एरिजोना की अटॉर्नी जनरल क्रिस मेयस ने इस नीति को ''पागलपन'' करार देते हुए कहा कि यह न केवल आर्थिक रूप से नुकसानदेह है, बल्कि अवैध भी है। इससे पहले, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने भी ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था जिसमें उन्होंने कहा कि इस शुल्क नीति से राज्य को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

पहलगाम घटना पर नेपाल सरकार का बयान महज खानापूर्ति- आरपीपी

काठमांडू। पहलगाम में आतंकी घटना को लेकर नेपाल सरकार और नेपाल के विदेश मंत्रालय के बयान का नेपाल के राजनीतिक दलों ने विरोध किया है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने नेपाल सरकार के बयान को महज खानापूर्ति बताते हुए इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ा बयान देने और जरूरी कदम उठाने की मांग की है। आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन के तरफ से जारी एक बयान में पिछले दिनों पहले बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले और अब कश्मीर में इसी तरह की घटना पर चिंता जताई है। आरपीपी ने पहलगाम में हिन्दू होने के कारण एक नेपाली नागरिक सहित अन्य पर्यटकों की हत्या की घटना को विभत्स, अमानवीय और क्रूर घटना की संज्ञा दी है। इस बारे में पार्टी के प्रमुख सचेतक ज्ञानेन्द्र शाही ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नेपाल सरकार और विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान को सिर्फ खानापूर्ति बताया है। उन्होंने कहा कि नेपाल हिन्दू बहुल देश होने के बावजूद यहां के मुसलमानों को मक्का मदीना में भेजने के लिए सरकारी बजट दिया जाता है।

भारत ने हमला किया जो एकजुट हो जाएंगे पाकिस्तान के सभी दल

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान काफी डरा हुआ है उसे लग रहा है कि भारत हमला कर सकता है। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन मुल्क ने कहा है कि अगर भारत हमला करने की कोशिश करता है, तो राजनीतिक दलों को एकजुट होना चाहिए। रिपोर्ट्स के अनुसार, हुसैन ने लिखा, पाकिस्तान राजनीतिक रूप से बंटा हुआ है, लेकिन एक राष्ट्र के तौर पर हम एक साथ खड़े हैं। अगर भारत की तरफ से धमकी दी जाती है या हमला किया जाता है, तो सभी रुप पीएमएल-एन, पीपीपी, पीटीआई, जेयूआई और अन्य हमारे मुल्क की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान झंडे के तहत एकसाथ आगे बढ़ेंगे।

इससे पहले इधर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीडीएस अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख और सेना के मिलिट्री ऑपरेशन के महानिदेशक के साथ बैठक की। सूत्रों ने बताया, बैठक में रक्षा मंत्री ने सैन्यबलों को आतंक के खिलाफ लड़ाई को तेज करने का निर्देश दिया है। बैठक में सैन्य अधिकारियों ने रक्षा मंत्री को बताया कि आतंकियों की तलाश में अतिरिक्त सैन्यबलों को तैनात किया गया है। इसके पहले फवाद ने कहा था, भारतीय कैबिनेट ने अपनी सुरक्षा बैठक पूरी कर ली है। उम्मीद करते हैं कि शांति बनी रहेगी और अधिकारी मीडिया के कारण पैदा हुए युद्धोन्माद के चलते लाखों लोगों की जान खतरे में नहीं डालेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्थिति का जायजा लेने और सरकार की रणनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल एवं वरिष्ठ नौकरशाह मौजूद थे ।शाह ने प्रधानमंत्री को हमले के बारे में जानकारी दी तथा इस घटना के बाद उठाए गए कदमों पर चर्चा की।

भारत ने पानी रोका तो सिंधु में जल नहीं अब खून बहेगाः हाफिज सईद

इस्लामाबाद। कुख्यात आतंकी सरगना हाफिज सईद का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। हाफिज के वीडियो को हथियार बनाकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत को खुली धमकी दे रही है। वीडियो में हाफिज सईद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेकर जहर उगल रहा है। इसमें वह कहता है कि अगर भारत ने पानी रोका, तो 'दरियाओं में खून बहेगा।' ये धमकी ऐसे समय में आई है, जब भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर कड़े प्रतिबंध लगाए, जिसमें सिंधु जल समझौते पर रोक भी शामिल है।

हालांकि ये वीडियो पुराना है, लेकिन इसे मौजूदा हालात में वायरल करना पाकिस्तान की नई साजिश का हिस्सा माना जा रहा है। इस वीडियो के जरिए पाकिस्तान भारत को उकसाने और जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है। हाफिज सईद की धमकी कि 'पानी रुकेगा तो खून बहेगा' आने वाले दिनों में कश्मीर में और आतंकी हमलों की आशंका को बढ़ाती है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने सोशल मीडिया पर हाफिज सईद का एक पुराना वीडियो वायरल किया है, जिसमें वह भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है। वीडियो में हाफिज सईद कहता है, 'तू कहता है कि पाकिस्तान का पानी रोकेंगे, कश्मीर में डैम बनाकर पानी रोकोगे, पाकिस्तान को तबाह करना चाहता है, सीपीईसी के मंसूबों को नाकाम करना चाहता है। अगर तू पानी बंद करेगा, हम तेरी सांसें बंद करेंगे। इन दरियाओं में फिर खून बहेगा।' वह यह भी कहता है कि पीएम मोदी ढाका में खड़े होकर कह रहे हैं कि उन्होंने बांग्लादेश बनाने के लिए खून बहाया और इस्लामाबाद पर दबाव डाल रहे हैं कि हाफिज सईद चुप रहे। पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। सुरक्षा समिति की मीटिंग के बाद भारत ने कई प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें सबसे अहम है सिंधु जल समझौते पर रोक। इस समझौते के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच छह नदियों के जल बंटवारे का प्रबंधन होता है। भारत के इस फैसले का मतलब है कि अब पाकिस्तान को नदियों के जल प्रवाह और संबंधित डेटा की जानकारी नहीं मिलेगी।

हमास पर भड़का फिलिस्तीन कहा- इजरायली बंधकों को तत्काल रिहा करे

गाजा। हमास के कारण हजारों लोगों की जिंदगी खत्म हो गई। अब ऐसा आगे न हो इसके लिए इजरायली बंधकों को तत्काल छोड़ देना चाहिए। ताकि इजरायल को युद्ध जारी रखने का कोई बहाना न मिले। गाजा पर इजरायल के भीषण हमलों से आहत फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास पर अब तक का सबसे तीखा हमला करते हुए उन्हें कुत्तों की औलाद कहा और उनसे इजरायली बंधकों को रिहा करने तथा समूह को निरस्त्र करने की मांग की। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी पर हो रहा इजरायल का हमला रोके जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन बंधकों की मौजूदगी इजरायल को हमला जारी रखने का बहाना दे रही है। वहीं अब्बास के बयानों पर हमास ने तीखी प्रतिक्रिया दी और उनकी योग्यता पर सवाल उठाए। संगठन ने कहा कि अब्बास संदिग्ध तरीके से इजरायल के अपराधों का दोष खुद फिलिस्तीनी जनता पर डालते हैं। टेलीविजन पर दिए गए भाषण में अब्बास ने कहा, कुत्तों की औलाद, बंधकों को रिहा करो और इजरायल को हमलों का बहाना मत दो। उन्होंने आरोप लगाया कि हमास 2007 से गाजा पर नियंत्रण के बाद से फिलिस्तीनी मकसद को भारी नुकसान पहुंचा रहा है और इजरायल को अपने अपराधों को अंजाम देने के लिए मुफ्त में बहाने दे

रहा है। उन्होंने एक बार फिर नागरिकों पर हमलों की निंदा की और सभी फिलिस्तीनी दलों से पीएलओ के बैनर तले एकजुट होने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने युद्ध समाप्त करने, इजरायली फौज की गाजा से वापसी और स्वतंत्र फिलीस्तीन राज्य की स्थापना की मांग दोहराई। अब्बास ने कहा कि हमास को अब गाजा का नियंत्रण छोड़ देना चाहिए और फिलीस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) और फिलीस्तीनी नेशनल अथॉरिटी को सारे प्रशासनिक अधिकार सौंप देने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमास हथियार उठाना छोड़कर एक राजनीतिक दल की तरह काम करे जो अंतरराष्ट्रीय वैधता और फिलीस्तीन राज्य के कानूनों के तहत काम करे।

भारत अकड़ न दिखाए हम जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयारः पाक रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधू संधि तोड़ने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले किए है। वहीं पाकिस्तान रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तेवर दिखाते हुए कहा है कि भारत हमें कमजोर ना समझे। हमारी सेना भारत की किसी भी आक्रामकता का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही आसिफ ने कथित भारतीय एजेंट को पकड़ने का भी दावा किया है। उनका दावा है कि ये कुलभूषण जाधव जैसा केस है। रिपोर्ट के मुताबिक, ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में एक भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया है।

यह मामला कुलभूषण जाधव जैसा ही है। हालांकि ख्वाजा आसिफ ने गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम या कोई और जानकारी नहीं दी। स्थानीय मीडिया में इस गिरफ्तारी के बारे में कई तरह की बातें चल रही हैं। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारतीय एजेंट व्यक्ति को ईरान-अफगानिस्तान सीमा के पास से पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस गिरफ्तारी के तार बलूचिस्तान में आतंकवाद फैलाने और टीटीपी के बीच संबंध भारत से होने से जुड़े हैं। पाक मीडिया ने गिरफ्तार किए शख्स का नाम अशोक चतुर्वेदी बताया है। इस शख्स के बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। दावा है कि चतुर्वेदी को उसके हैंडलर से मिलाने के बहाने बुलाकर गिरफ्तार किया गया पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव को 2016 में बलूचिस्तान से पकड़ने का दावा किया था। ख्वाजा आसिफ ने यह भी कहा कि

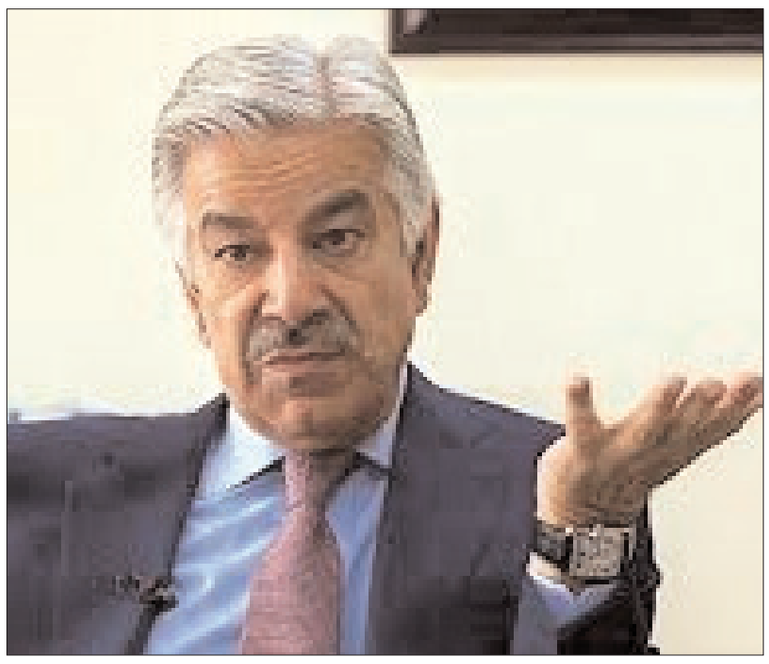

भारत की ओर से सिंधु जल संधि को खत्म करने की बात हो रही है लेकिन वह इसे एकतरफा तरीके से रद्द नहीं कर सकते हैं। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान सख्त है। हमने भी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों की निंदा की है लेकिन हमारे ऊपर दिल्ली से जिस तरह के आरोप लगते हैं, उनका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपनी रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखते हैं और अपनी जमीन की पूरी मजबूती से रक्षा करेंगे। आसिफ ने अकड़ दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तान की ताकत को लेकर भारत किसी भुलावे में ना रहे। आसिफ ने भारत को विंग कमांडर अभिनंदन का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान की वायु सीमा का उल्लंघन किया था तो हमने कैसे उन्हें पकड़ा था, ये सबने देखा था।

नेपाल में ओली का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री बर्खास्त, नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने एक निर्णय का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही हाल ही में शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई के इस्तीफे को मंजूर करते हुए उनके स्थान पर रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से तमांग को पदमुक्त किए जाने की जानकारी गुरुवार को दी गई है।

प्रधानमंत्री ओली ने बुधवार देर शाम ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त करने की राष्ट्रपति से सिफारिश की थी। ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग प्रधानमंत्री की कार्यशैली का खुलकर विरोध करते आ रहे थे। कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऊर्जा राज्य मंत्री ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री ओली की कार्यशैली की आलोचना करते हुए उनके फैसलों का विरोध किया था। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग को पद से बर्खास्त करने के सरकार के फैसले का ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग ने विरोध किया था। उन्होंने न सिर्फ कैबिनेट बैठक में बल्कि पत्रकार सम्मेलन कर ही प्रधानमंत्री पर गलत कदम उठाने का आरोप लगाया। तमांग की बर्खास्तगी ऐसे समय हुई है, जब नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष सिंगापुर के भ्रमण पर है तथा उनकी पत्नी और नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा बैंकाक के दौरे पर हैं। ओली के इस फैसले का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया है। अपनी बर्खास्तगी की खबर के बाद तमांग ने कहा

कि प्रधानमंत्री ओली भ्रष्टाचारियों का संरक्षण करते हैं और अच्छा काम करने वाले सरकारी अधिकारियों को पद से हटाते रहते हैं। उन्होंने ओली पर गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने और अपनी मनमानी चलाने का भी आरोप लगाया है। आज ही प्रधानमंत्री ने शिक्षा मंत्री के पद पर अपनी पार्टी के सांसद रघुजी पंत को नियुक्त किया है। दो दिन पहले ही शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई ने प्रधानमंत्री के साथ अनबन के कारण पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को उनका इस्तीफा मंजूर करते हुए पंत को भट्टराई के स्थान पर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया है कि रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। उनका शपथग्रहण आज शाम को 4 बजे होना तय हुआ है। नवनियुक्त शिक्षा मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती 23 दिनों से चले आ रहे शिक्षक आंदोलन को खत्म करना होगा।

अगर पाकिस्तान करेगा शिमला समझौता रद्द तो भारत को मिलेगा रणनीतिक लाभ

इस्लामाबाद। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव फिर चरम पर पहुंच गया है। भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा छूट योजना रद्द करने और दिल्ली स्थित पाक उच्चायोग के सैन्य सलाहकारों को निष्कासित करने जैसे सख्त कदमों के बाद अब पाकिस्तान की तरफ से शिमला समझौता रद्द करने की अटकलें लगाई जा रही हैं। मीडिया के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक बुलाई, जिसमें इस ऐतिहासिक समझौते से हटने पर विचार किया जा सकता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के कदमों को एकतरफा और उकसावेपूर्ण करार देते हुए इसका जवाब देने की बात कही है।

1971 के युद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापना के लिए 1972 में शिमला समझौता हुआ था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच विवादों को केवल द्विपक्षीय वार्ता के जरिए से सुलझाना था। इस समझौते ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) की अवधारणा को मान्यता दी और अंतरराष्ट्रीय मंचों से कश्मीर मुद्दे को हटाकर भारत को रणनीतिक बढ़त दी। यदि पाकिस्तान इस समझौते को रद्द करता है, तो भारत इसे पाकिस्तान की कूटनीतिक अस्थिरता और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के रूप में प्रचारित कर सकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की छवि को नुकसान पहुंचेगा और भारत को कश्मीर को आंतरिक मुद्दा बताकर कठोर

रणनीति अपनाने की छूट मिल सकती है। इसके अलावा एलओसी की वैधता पर सवाल उठाने से भारत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। शिमला समझौता पाकिस्तान की एकमात्र वैधता का प्रतीक है जो उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संयमित दिखाता है। इसके रद्द होने से पाकिस्तान एफएटीएफ जैसी संस्थाओं की निगरानी में आ सकता है। साथ ही पहले से जूझती अर्थव्यवस्था और बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता में यह कदम आत्मघाती साबित हो सकता है। भारत ने साफ कहा है कि आतंकवाद के प्रति उसकी नीति में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। यदि पाकिस्तान शिमला समझौता रद्द करता है, तो इससे न केवल क्षेत्रीय शांति को खतरा होगा, बल्कि भारत को कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से लाभ मिलने की पूरी संभावना है।

आरबीआई ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को बैंक में खाता खोलने की दी परमिशन

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड आदि बैंकिंग सुविधाएं भी मिलेगी

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन के संबंध में संशोधित निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों को संबोधित एक परिपत्र में कहा कि किसी भी उम्र के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है।

10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अपनी मां को अभिभावक बनाकर ऐसे खाते खोलने की भी अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में कहा गया है- जिन नाबालिगों की आयु सीमा 10 वर्ष से कम नहीं है और बैंकों द्वारा उनकी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई राशि और शर्तों तक, उन्हें स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं, और ऐसी शर्तों को खाताधारक को विधिवत रूप से सूचित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, वयस्क होने पर खाताधारक के नए संचालन निर्देश और नमूना हस्ताक्षर प्राप्त किए जाने चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड में रखा जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया- बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन नीति, उत्पाद उपयुक्तता और ग्राहक उपयुक्तता के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं।

बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से या अभिभावक के माध्यम से संचालित हों, से अधिक निकासी की अनुमति नहीं दी जाए और ये हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहें।

कई विदेशी कंपनियों को आयकर विभाग ने जारी किया मूल्यांकन आदेश

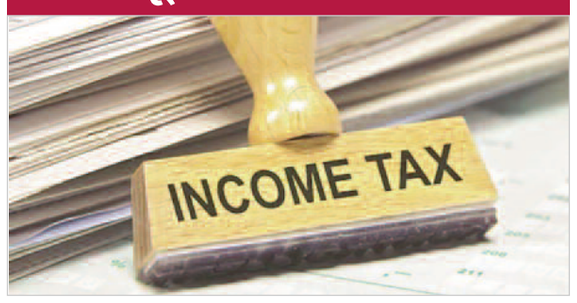

नई दिल्ली/एजेंसी

सॉफ्टवेयर ऐज ए सर्विस (सास) उत्पाद मुहैया कराने वाली एमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, ओरेकल, आईबीएम और सेल्सफोर्स जैसी कई विदेशी कंपनियों को वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए आयकर विभाग से कर मांग का नया नोटिस मिला है।

सूत्रों के अनुसार कर विभाग ने इन कंपनियों को मूल्यांकन आदेश जारी किए हैं। इसके तहत इन कंपनियों द्वारा भारतीय ग्राहकों से अर्जित आय को भारतीय कर कानून के अंतर्गत 'तकनीकी सेवाओं के लिए शुल्क' (एफटीएस) माना जाएगा। तकनीकी, प्रबंधकीय या परामर्श सेवा के लिए किसी भी भुगतान को एफटीएस माना जाता है और भारत-अमेरिका दोहरा कराधान निषेध संधि के तहत इस तरह की आय पर 15 फीसदी कर लगाया जाता है। इस बारे में जानकारी के लिए संबंधित कंपनियों के साथ-साथ केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को ईमेल भेजे गए मगर कोई जवाब नहीं आया। 2021 से पहले इस तरह के भुगतानों को अक्सर रॉयल्टी माना जाता था।हालांकि इंजीनियरिंग एनालिसिस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मामले में 2021 में एक ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय कहा था कि मानक, ऑफ-द-शेल्फ सॉफ्टवेयर के लिए भुगतान भारतीय कानून या कर संधियों के तहत रॉयल्टी के रूप में कर योग्य नहीं हैं। शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद कर विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या भारतीय उपयोगकर्ताओं द्वारा विदेशी सास प्रदाताओं को किए गए भुगतान पर एफटीएस के रूप में कर लगाया जा सकता है।

सोने ने फिर दिखाई चमक, चांदी हुई सस्ती

सोने का भाव 95,850 रुपए, चांदी 95,450 रुपए के करीब

मुंबई/एजेंसी

सोने के भाव बुधवार को बड़ी गिरावट के बाद गुरुवार को सुधर गए। चांदी के भाव में भी नरमी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने के भाव 95,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 95,450 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोने के भाव मंगलवार को ग्लोबल मार्केट में 3,509.90 डॉलर के नए रिकॉर्ड पर पहुंच थे, घरेलू बाजार में भी सोने के वायदा भाव ने 99,358 रुपये का नया हाई बनाया था। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 858 रुपये की तेजी के साथ 95,580 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 94,722 रुपये था। इस समय यह 1,137 रुपये की तेजी के साथ 95,859 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,188 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,580 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने मंगलवार को 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 348 रुपये की नरमी के साथ 95,451 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 95,799 रुपये था। इस समय यह 333 रुपये की गिरावट के साथ 95,466 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 95,685 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,450 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,301.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला। पिछला बंद भाव 3,294.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 41.40 डॉलर की तेजी के साथ 3,335.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने मंगलवार को 3,509.90 डॉलर के ऑल टाइम हाई पर थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.56 डॉलर पर खुले, पिछला बंद भाव 33.54 डॉलर था।

अब शरबत बनाना भी हुआ महंगा, नींबू 7 रुपए में बिक रहा

पानी की कमी ने किसानों के स्थानीय कृषि को पूरी तरह से प्रभावित किया

नई दिल्ली/एजेंसी

नींबू के उच्च दाम ने बीड शहर को अपने भार से दबा दिया है। इस समय बाजार में नींबू के दाम आसमान छू रहे हैं. कुछ महीने पहले 2 रुपये में मिलने वाला एक नींबू अब बीड शहर के कुछ हिस्सों में सीधे 7 रुपये तक बिक रहा हि। क हुई इस मूल्यवृद्धि से आम ग्राहक परेशान हैं। गर्मियों में जहां लोग नींबू के शरबत से राहत पाने की उम्मीद करते हैं, वहीं कुएं और बोरवेलों में पानी की कमी ने किसानों के पेड़ों को सूखने की संभावना बढ़ा दी है। इसके नतीजे में नींबू की आपूर्ति में कमी ने दामों को चौंका दिया है। बीड जिले के कई किसानों ने इस साल उत्पादन में कमी की शिकायत की है, जिससे नींबू के मूल्य में अचानक वृद्धि हुई है। नक्कारापन या आलस्य नहीं, बल्कि पानी की कमी ने किसानों के स्थानीय कृषि को पूरी तरह से प्रभावित किया है। अब नींबू उपभोक्ता के लिए एक महंगा खेती का विकल्प बन चुका है, जिससे उन्हें अपनी गर्मियों की ठंडक के लिए महंगे किमीउंन के सामने खर्च करना पड़ रहा है। नींबू के उच्च दामों के साथ-साथ, छोटे व्यापारियों को भी इस असामान्य वृद्धि से प्रभावित होना पड़ रहा है। उच्च दामों के कारण, व्यापारी भी ग्राहकों को महंगे दामों पर नींबू उपलब्ध कराने में मुश्किलें झेल रहे हैं, जिससे उन्हें अपने व्यवसाय को चलाने में कठिनाई हो रही है। सभी इन तथ्यों को मध्यंतर में देखते हुए, सरकार को इस सामाजिक और आर्थिक संकट का संज्ञान लेकर हर संभावित प्रयास करने की आवश्यकता है। उचित नीतियों और योजनाओं के माध्यम से पानी की संभावित कमी को दूर करने और किसानों को उनके मेहनत का मुयायन करने में सरकार की मदद की जरूरत है।

7 मई को होगी सेबी के सेकेंडरी मार्केट पैनल की बैठक, एफएंडओ के नियमों को लेकर चर्चा

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सेकेंडरी मार्केट पैनल की अगली बैठक 7 मई को होगी। इस बैठक में फ्यूचर और ऑप्शन (एफएंडओ) ट्रेडिंग को कम करने के लिए लागू किए गए नियमों पर चर्चा हो सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया हैं कि बैठक का एजेंडा फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन कमेटी के सदस्य एफएंडओ ट्रेडिंग को कम करने लागू किए गए नियमों पर चर्चा कर सकते हैं। नए एफएंडओ नियमों का असर दिख रहा है और अब नए अंकुश लगाने की संभावना काफी कम है। सेबी ने 25 फरवरी को इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट में ओपन इंटरेस्ट की कैलकुलेशन करने के लिए फ्यूचर इक्विवेलेंट पद्धति अपनाने का प्रस्ताव रखा, इससे शेयरों में हेरफेर और फिर उन्हें बैन में जाने से रोक सके। ओपन इंटरेस्ट की कैलकुलेशन के लिए फ्यूचर इक्विवेलेंट पद्धति का सुझाव नोशन वैल्यू आधारित पद्धति की जगह दिया गया था। सेबी ने मार्केट-वाइड पॉजिशन लिमिट्स या एमडब्ल्यूपीएल के संबंध में भी बदलाव का सुझाव दिया, जो यह तय करता है कि किसी शेयर में कितना कारोबार हो सकता है।इसके पहले, पिछले साल अक्टूबर में सेबी ने एफएंडओ ट्रेडिंग वॉल्यूम को कम करने के लिए कई और प्रावधान भी पेश किए थे। इन प्रावधानों में साप्ताहिक ऑप्शन एक्सपायरी को हर एक्सचेंज में एक तक सीमित करना, ऑप्शन खरीदारों से प्रीमियम का एडवांस कलेक्शन, इंट्राडे मार्केट मॉनिटरिंग और कॉन्ट्रैक्ट साइज में बदलाव और एक्सपायरी के दिन सेफ ट्रेडिंग शामिल थीं।

एचयूएल का मुनाफा घटकर 2,457 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली।

दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 3.35 प्रतिशत घटकर 2,475 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 2,561 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। हालांकि, मार्च तिमाही में उत्पाद बिक्री से राजस्व 2.68 प्रतिशत बढ़कर 15,416 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 15,013 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 3.12 प्रतिशत बढ़कर 12,478 करोड़ रुपए रहा। कुल आय 3.48 प्रतिशत बढ़कर 15,979 करोड़ रुपए हो गई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एचयूएल का शुद्ध लाभ 3.78 प्रतिशत बढ़कर 10,671 करोड़ रुपए हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,282 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की कुल आय 2.28 प्रतिशत बढ़कर 64,138 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 62,707 करोड़ रुपए थी।

पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा चौथी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी पर्सिस्टेंट सिस्टम का मुनाफा 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 395.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 315.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स की परिचालन आय सालाना आधार पर 25.15 प्रतिशत बढ़कर 3,242.11 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2,590.5 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,093.4 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आय आलोच्य वित्त वर्ष में 21.55 प्रतिशत बढ़कर 11,938.7 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2023-24 में 9,821.58 करोड़ रुपये थी।

इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा यूरोपीय बाजारों में लांच

नई दिल्ली। अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा को मारुति सुजुकी ने यूरोपीय बाजारों में लॉन्च कर दिया है। यूके और नीदरलैंड जैसे देशों में इसकी डिलीवरी भी जल्द शुरू होगी। इस कार की सबसे खास बात यह है कि कंपनी ने इस पर 10 साल की वारंटी देने की घोषणा की है, जो आमतौर पर दी जाने वाली 3 या 6 साल की वारंटी से कहीं ज्यादा है। माना जा रहा है कि यह वारंटी बैटरी पर दी जाएगी, जो इसकी लंबी उम्र और विश्वसनीयता का संकेत है। कार में बीवायडी की ब्लेड बैटरी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें एलएफपी सेल होते हैं और ये सुरक्षा और टिकाऊपन के लिए प्रसिद्ध हैं। मारुति सुजुकी ई-विटारा की अनुमानित कीमतें सिग्मा वैरिएंट (49केडब्ल्यूएच) के लिए लगभग 18 लाख रुपये, जबकि टॉप वैरिएंट अल्फा (61केडब्ल्यूएच) के लिए लगभग 24 लाख रुपये तक बताई जा रही हैं। कंपनी इस एसयूवी को 10 एक्सटीरियर कलर ऑप्शन के साथ पेश करेगी, जिसमें 6 मोनो-टोन और 4 डुअल-टोन विकल्प शामिल होंगे। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जर, इनफिनिटी साउंड सिस्टम और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलेंगे। सेफ्टी के लिहाज से इसमें लेवल 2 अडास, 7 एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा और ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 315 अंक, निफ्टी 82.25 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट वै श्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे बाजार में पिछले सात दिन से जारी तेजी रुक गई। आज कारोबार के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर और अन्य एफएमसीजी शेयरों के अलावा आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 315.06 अंक करीब 0.39 फीसदी नीचे आकर 79,801.43 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्व) का निफ्टी भी अंत में 82.25 तकरीबन 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ ही 24,246.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी रही, जिसमें डॉव जोन्स 1.07 फीसदी बढ़कर 39,606.57 पर, एसएंडपी 500 1.67 फीसदी ऊपर आकर 5,375.86 पर और नैस्डैक कंपोजिट 2.50 फीसदी बढ़कर 16,708.05 पर बंद हुआ। एसपी 500 से जुड़े फ्यूचर्स में मामूली 0.08 फीसदी की तेजी आई। नैस्डैक 100 फ्यूचर्स स्थिर रहा, जबकि डॉव जोन्स फ्यूचर्स में 0.15 फीसदी की गिरावट रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। जापान का

निक्केई 225 0.89 फीसदी उछला, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.41 फीसदी गिरा तथा ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.59 फीसदी बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी गिरा और मेनलैंड चीन का सीएसआई 300 मामूली रूप से 0.16 फीसदी नीचे आया। इससे पहले आज सुबह बाजार लाल निशान में खुला।

शुरुआती कारोबार में ऑटो, मेटल और रियलिटी सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह सेंसेक्स 221.03 अंक की गिरावट के साथ 79,895.46 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 75.55 अंक की गिरावट के साथ 24,253.40 पर था। निफ्टी बैंक 152.60 अंक की गिरावट के साथ 5,217.45 पर था।

एलटीआई आईमाइंडट्री का मुनाफा बढ़कर 1,129 करोड़ हुआ

मुंबई। एलटीआई माइंडट्री का वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में मुनाफा 2.53 प्रतिशत बढ़कर 1,128.6 करोड़ रुपये रहा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसने 1,100.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफा बढ़कर, 4,602 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 4,585 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में राजस्व बढ़कर 9,771 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 8,893 करोड़ रुपये था। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में वृहद आर्थिक परिवेश चुनौतीपूर्ण है। कंपनी के निदेशक मंडल प्रति शेयर 45 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इसे शेयरधारकों के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

नाबार्ड ने एग्री-फिनटेक कंपनी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एग्री फिनटेक स्टार्टअप 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। नाबार्ड ने कहा कि यह स्टार्टअप में नाबार्ड का पहला निवेश है, जो ग्रामीण भारत में डिजिटल परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। 24म7 मनीवर्क्स कंसल्टिंग का प्रमुख प्लेटफॉर्म, ईकिसानक्रेडिट (ईकेसीसी), सहकारी बैंकों, पीएसीएस और आरआरबी के लिए डिजाइन किया गया एक पूरी तरह से डिजिटल ऋण प्रणाली है। ईकेसीसी प्लेटफॉर्म -भूमि रिकॉर्ड, आधार, ईकेवाईसी, कोर बैंकिंग सिस्टम और ई-पैक्स के साथ सहजता से एकीकृत होता है, जिससे ग्रामीण ऋण जीवनचक्र का स्वचालन संभव होता है। नाबार्ड ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में, ईकेसीसी को विभिन्न बैंकों में प्रायोगिक आधार पर चलाया गया है और यह प्रणाली अब राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन के लिए तैयार है।

भारत का योगदान ग्लोबल वॉल्यूम ग्रोथ में 8 गुना तक बढ़ा

उपभोक्ता अप्लायंसेज के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 5 फीसदी थी

नई दिल्ली/एजेंसी

उपभोक्ता उत्पादों की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत का योगदान बेहतर देखा जा रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान वृद्धि में उसके योगदान ने विभिन्न श्रेणियों में पिछले वर्ष के मुकाबले वॉल्यूम हिस्सेदारी को 2 से 8 गुना बढ़ा दिया है।

इससे उपभोक्ता वस्तु बनाने वाली प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) के लिए भारत एक दमदार ग्रोथ इंजन बन गया है। एक रिपोर्ट के मुतो बिक 'प्लेबुक फॉर कंज्यूमर प्रोडक्ट्स मल्टीनैशनल कॉरपोरेशंस इन इंडिया' के अनुसार, उपभोक्ता अप्लायंसेज के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी साल 2024 में 5 फीसदी थी। मगर साल 2019 से 2024 के बीच वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी जो पिछले साल की उसकी वॉल्यूम हिस्सेदारी के मुकाबले 8.6 गुना अधिक है। अन्य श्रेणियों में भी यही रुझान दिखता है। परिधान एवं फुटवियर के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 8 फीसदी थी। मगर पिछले पांच वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था।

गर्म पेय पदार्थ के वैश्विक वॉल्यूम में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 6 फीसदी हो सकती है, मगर पिछले 5 वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 24 फीसदी थी। इसी प्रकार स्नैकिंग श्रेणी में भारत की वैश्विक वॉल्यूम में हिस्सेदारी 2024 में 10 फीसदी थी, लेकिन पिछले 5 वर्षों के दौरान इस श्रेणी की वैश्विक वॉल्यूम वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी 2.1 गुना बढ़कर 22 फीसदी हो गई। बेन ने 10 अरब डॉलर से अधिक की आय वाली करीब 42 वैश्विक उपभोक्ता वस्तु कंपनियों के भी आंकड़े दिए हैं। इनमें से 30 कंपनियां भारत में भी कारोबार करती हैं। इन कंपनियों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां शामिल हैं लेकिन तंबाकू, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण फर्मों को बाहर रखा गया है।

विश्लेषण से पता चलता है कि भारत में कारोबार करना काफी फायदेमंद हो सकता है। ऐसी कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय सहायक इकाइयों का कुल शेयरधारक रिटर्न (टीएसआर) शानदार रहा। साल 2015 से 2024 के बीच उनका कुल शेयरधारक रिटर्न वैश्विक मूल कंपनी के मुकाबले 2 से 6 गुना अधिक रहा। इतना ही नहीं बेन की रिपोर्ट से यह भी खुलासा हुआ है कि भारत में कारोबार करने वाली उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र की 60 फीसदी बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्विक वृद्धि दर के मुकाबले करीब दोगुनी दर से बढ़ रही हैं।

अटारी-वाघा सीमा बंद, भारत-पाकिस्तान कारोबार होगा प्रभावित

पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा भी किए गए रद्द

नई दिल्ली।

पहलगाम में 23 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अटारी-वाघा सीमा को बंद कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। यह न केवल व्यापार को धड़ल्ले से फिर से ठप कर देगा, बल्कि भारत-पाक संबंधों में भी नए बदलाव की आशंका को जगाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से व्यापार का इतिहास उतार-चढ़ावों से भरा है। कम से कम पांच वर्षों में व्यापार में गिरावट के बाद, 2023-24 में 3886 करोड़ रुपये का व्यापार दर्ज किया गया। माल आवाजाही में भी 2022-23 में 80 फीसदी की उछाल देखने को मिली। इस बंद के नतीजे में भारत में सोयाबीन, मुर्गियों का दाना, सब्जियां, लाल मिर्च, प्लास्टिक दाना और प्लास्टिक यार्न का निर्यात प्रभावित हो सकता है। वहीं, ड्राई फ्रूट्स, ड्राई डेट्स, जिप्सनम, सीमेंट, ग्लास, रॉक सॉल्ट और हर्ब्स का आयात प्रभावित हो सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार के बंद होने से दोनों देशों के उद्योगपति, किसान और व्यापारिक संगठनों को बड़ा नुकसान हो सकता है। इसे टालने के लिए दोनों देशों को संवाद में रहकर समाधान निकालने की जरूरत है।

एलआईसी के नए प्रीमियम संग्रह में पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नए कारोबार से प्रीमियम संग्रह मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान 5.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 3.97 लाख करोड़ रुपये रहा। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार उद्योग ने इससे पिछले वित्त वर्ष में नए प्रीमियम के रूप में 3.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। व्यक्तिगत नए कारोबार प्रीमियम में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.49 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2024-25 में नए कारोबार प्रीमियम के रूप में कुल 2.26 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जिसमें व्यक्तिगत नए कारोबार से मिले 62,404.58 करोड़ रुपये शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 में एलआईसी ने 1.78 करोड़ नई पॉलिसी बेचीं।

आवारापन के बाद अब इमरान हाशमी की इस हिट फिल्म का भी आएगा सीक्वल

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की रिलीज के इंतजार में हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह बना हुआ है। लेकिन 'ग्राउंड जीरो' के अलावा इमरान हाशमी अपनी पुरानी फिल्मों के सीक्वल को लेकर भी चर्चाओं में बने हुए हैं। पिछले दिनों इमरान हाशमी ने अपनी फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल की घोषणा की थी। जिसके बाद से ही फैंस इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हो गए। अब इमरान हाशमी ने अपनी एक और हिट फिल्म 'जन्नत' के सीक्वल को लेकर भी बात की है।

'जन्नत' के फैंस के लिए खुशखबरी

मैच फिक्सिंग पर आधारित 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' को काफी पसंद किया गया था। फैंस अभी भी इस फिल्म को पसंद करते हैं और देखते हैं। ऐसे में फैंस 'जन्नत' के भी सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में बात करते हुए इमरान हाशमी ने जन्नत के सीक्वल को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। इमरान हाशमी ने बताया कि वो जन्नत के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं और इस पर काम भी किया जा रहा है।

मजबूत स्क्रिप्ट मिलने पर ही बनेगी जन्नत 2

सीक्वल पर काम करने की पुष्टि करने के बाद अभिनेता ने कहा, टीम इसमें कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती है और न ही इसे बर्बाद करना चाहती है। जब हमें लगेगा कि हमारे पास एक मजबूत और उम्दा स्क्रिप्ट है जो पिछली फिल्म की कहानी से आगे बढ़ती है, तब हम इस पर आगे बढ़ेंगे। हम सिर्फ इसके लिए सीक्वल नहीं बना रहे हैं, हम चाहते हैं कि कहानी भी बेहतर हो। तब हम इसकी घोषणा करेंगे। हम चाहते हैं कि जन्नत पहले की ही तरह अच्छे से बड़े पर्दे पर वापसी करे।

जुलाई में शुरू होगी 'आवारापन 2' की शूटिंग

कुछ दिनों पहले ही इमरान हाशमी ने 2007 में आई फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल 'आवारापन 2' की घोषणा की थी। अभिनेता ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग जुलाई 2025 से शुरू होने वाली है। मौजूदा वक्त में स्क्रिप्टिंग चल रही है और फिल्म 3 अप्रैल 2026 को रिलीज होने की संभावना है। 25 अप्रैल को रिलीज होगी 'ग्राउंड जीरो' इमरान हाशमी अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 'ग्राउंड जीरो' 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

सोशल मीडिया प्रेशर पर बनेगी फिल्म, डिप्रेशन के चलते थैरेपी ले रहे सितारे

अभिनेत्री नुसरत भरूचा छोरी 2 को लेकर चर्चा में बनी हैं और उन्होंने संवाद कार्यक्रम में अपनी फिल्म के साथ-साथ गंभीरता से किरदार निभाने के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि वह सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं।

छोरी 2 के दौरान आई ये चुनौतियां

दरअसल, छोरी 2 में अपने किरदार को निभाने के लिए नुसरत को कई मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। उन्होंने उन चुनौतियों के बारे में भी बात की। किरदार को निभाने की चुनौतियों के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा कि छोरी और छोरी 2 में जो सबसे मुश्किल काम था, वो था एक मां का किरदार निभाना, क्योंकि मैंने रियल लाइफ में जो अनुभव किए हैं, उसे मैं पर्दे पर आसानी से निभा सकती हूं। पर्दे पर मां बनना बहुत मुश्किल था। मैं जब छोरी 2 देखती हूं तो यह देखती हूं कि क्या मैंने मां के इमोशन को ठीक से किया है। मेरे लिए वह फीलिंग बहुत जरूरी थी, इसलिए दोनों फिल्मों में वह मेहनत मेरे लिए बहुत जरूरी थी।

एक्टर्स को थैरेपी लेना बहुत जरूरी

नुसरत ने किरदारों से बाहर निकलने के बारे में बात करते हुए कहा कि छोरी और छोरी 2 के लिए मुझे और विशाल सर को काफी चर्चा करनी पड़ी। मेरी बच्ची मुझसे छिन गई है, उस इमोशन में मुझे लगातार रहना पड़ा। पूरी शूटिंग के दौरान। एक ऐसी फिल्म में घुसना और निकलना वाकई बहुत मुश्किल है। हम एक्टर्स को वाकई एक फिल्म के बाद थैरेपी लेनी चाहिए कि इन इमोशन से कैसे निकलें, ताकि हम और भी किरदारों पर ध्यान दे पाए और दूसरे इमोशन को भी अच्छे से कर पाए। खुद को हील करना बहुत जरूरी है।

सोशल मीडिया पर बनेगी फिल्म

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के जुड़े मुद्दों के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा कि मैंने यह मानती हूं कि कुछ वर्षों में हम सोशल मीडिया पर फिल्म बना रहे होंगे और उसमें सोशल मुद्दा ही होगा सोशल मीडिया की ट्रोलिंग, क्योंकि हम तब तक इस बारे में अच्छे से समझ चुके होंगे, क्योंकि सोशल मीडिया पर बहुत सी ऐसी चीजें हम देख रहे हैं कि इसकी वजह से बहुत से लोग तनाव में जा रहे हैं और जान भी ले रहे हैं। ये बहुत डरावनी चीज है।

सोशल मीडिया है एक डरावनी जगह

सोशल मीडिया का जो प्रेशर है, जो भयानक है। हम ऐसे नहीं जी सकते हैं। हम कुछ वक्त बाद ऐसी फिल्म बना रहे होंगे, जहां लोग सोशल मीडिया का प्रेशर को दिखा रहे होंगे। इस पर फिल्म बनेगी कि क्या हुआ हमारे युवाओं के साथ और खुद हमारे साथ कि हम इस दबाव को कैसे झेल पाए। यह बहुत बड़ा मॉन्स्टर है। अब तो यह आदत हो गई है कि हम लोगों को उनके नाम नहीं, उनके सोशल मीडिया हैंडल के नाम से जानते हैं। यह जगह बहुत डरावनी हो चुकी है। युथ तो परेशान हैं ही, लेकिन मैं बच्चों के लिए बहुत डरी हुई हूं, लेकिन इससे पीछा भी नहीं छुड़ा सकते। पहले बाजार जाना, सब्जी खरीदना रोज का काम था। अब हम ऑनलाइन बैठकर सब्जियां खरीदते हैं तो मार्केट कौन जाएगा? हमने अपनी जिंदगी ऐसा बना ली है, इसलिए हमें ऐसे ही यही रहना होगा, हम पीछे नहीं जा सकते।

अनुराग कश्यप पर भड़कीं पायल घोष

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए गए विवादित बयान को लेकर मामला बढ़ता जा रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच के साथ ही फिल्म जगत के कई सितारे उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। कश्यप के बयान से नाराज अभिनेत्री पायल घोष ने पोस्ट शेयर कर कहा कि वह बॉलीवुड से दूर रहें, इंडस्ट्री उनके बिना खुश है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बॉलीवुड से भाग जाना और दूर रहना एक अच्छा ऑप्शन है अनुराग कश्यप। बॉलीवुड आपके बिना खुश है, तो आप यहां से दूर रहो। कर्म बुरा होगा तो फल भी बुरा ही मिलेगा। अनुराग कश्यप के बयान पर सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाल ही रिलीज होने वाली फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप के विवादित बयान के बाद से ब्राह्मण समाज गुस्से में है और वह उनकी फिल्म फुले को बॉयकॉट करेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे और हमारा विरोध जारी रहेगा, अनुराग कश्यप को सबक सिखाने का काम करेंगे। बयान को लेकर लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी अनुराग कश्यप की निंदा करते नजर आए। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कश्यप को कड़ी चेतावनी देते हुए मनोज ने कहा, तुम्हारे जैसे हजारों नफरती खत्म हो जाएंगे, लेकिन ब्राह्मणों की परंपरा और गौरव अटल रहेगा। आमदनी कम हो तो खर्चों पर और जानकारी कम हो तो शब्दों पर कंट्रोल रखना चाहिए। अनुराग कश्यप तुम्हारी तो आमदनी भी कम है और जानकारी भी,

इसलिए दोनों पर कंट्रोल रखो। तुम्हारे शरीर में इतना पानी नहीं है कि ब्राह्मणों की विरासत को एक इंच भी दूषित कर पाओ। मनोज मुंतशिर ने अनुराग कश्यप को हिदायत दी, रहने के लिए दुनिया में कई अच्छी जगहें हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि औकात में रहो। ब्राह्मण समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में अनुराग कश्यप के खिलाफ दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी आलोचना की। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद शुक्रवार को अनुराग कश्यप ने इस टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

शाहरुख खान के साथ काम करेंगे अरशद वारसी

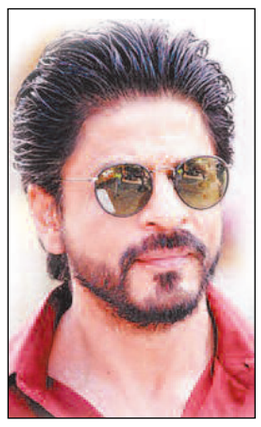

शाहरुख खान की फिल्म किंग एक वजह से सुर्खियों में है और वो है कास्टिंग। हालांकि फिल्म की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख के अलावा इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और मुंजा फेम एक्टर अभय वर्मा भी हैं। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से एक बार फिर फिल्म की कास्टिंग को लेकर कई खबरें आ रही हैं।

अरशद वारसी हुए फिल्म में शामिल?

अब खबर है कि फिल्म में एक और कलाकार की एंट्री हुई है। अब पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किंग की कास्ट में अरशद वारसी भी शामिल हो गए हैं। कथित तौर पर अभिनेता इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे और उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है।

अरशद की फिल्म में शाहरुख खान ने किया था कैमियो

2005 में शाहरुख खान ने अरशद की फिल्म कुछ मीठा हो जाए में कैमियो किया था, लेकिन दोनों ने एक साथ ऐसी कोई फिल्म नहीं की है जिसमें उन्होंने पूरी भूमिका निभाई हो। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख खान को मुन्ना भाई एमबीबीएस का ऑफर किया गया था, लेकिन वह इसे नहीं कर पाए, इसलिए अगर सुपरस्टार राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में काम करते तो वह और अरशद असली मुन्ना और सर्किट होते।

दीपिका भी होंगी फिल्म का हिस्सा?

कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दीपिका पादुकोण को इस फिल्म में एक विस्तारित कैमियो करने के लिए चुना गया है। कथित तौर पर, वह फिल्म में सुहाना खान की मां और शाहरुख की पूर्व प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। हालांकि, इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक्स पर पोस्ट किया था, फॉल्स। अब सिद्धार्थ के इस ट्वीट ने यूजर्स को सोच में डाल दिया कि क्या वह दीपिका के फिल्म में अभिनय करने की खबरों का खंडन कर रहे हैं।

लव लाइफ को लेकर एक बार फिर हनी सिंह सुर्खियों में, कौन हैं रूमर्ड गर्लफ्रेंड एमा बकर?

मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह के डेटिंग की अफवाहों को एक बार फिर हवा मिली है। इस बार उनका नाम मिस्र की मॉडल एमा बकर के साथ जुड़ रहा है। दरअसल, एमा के बर्थडे पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान दोनों की केमिस्ट्री देखकर नेटिजन्स ने अंदाजा लगाया कि वह एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। जानते हैं एमा बकर कौन हैं?

हनी सिंह के साथ उनके बर्थडे पार्टी में नजर आईं एमा बकर एक रनवे मॉडल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक अभिनेत्री भी हैं और हनी सिंह के कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। कथित तौर पर साल 2023 में, उन्हें रैपर के साथ देखा गया। अब सामने आए वीडियो ने उनकी डेटिंग की अफवाहों को हवा दे दी है। 25 वर्षीय मॉडल इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय रहती हैं। यहां उनके 268च फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो यहां शेयर करती रहती हैं।

क्या है वीडियो में?

17 अप्रैल को हनी सिंह ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें एक रेस्टोरेंट में एमा के लिए सरप्राइज बर्थडे पार्टी देते हुए देखा जा सकता है। मॉडल उनके बगल में डाइनिंग टेबल पर बैठी नजर आ रही हैं। जब रेस्टोरेंट के कर्मचारी एमा के इर्द-गिर्द नाच रहे थे, तो मॉडल हनी सिंह के हाव-भाव से हैरान और अभिभूत दिखीं। उन्होंने गायक को धन्यवाद दिया। हनी सिंह ने फिर उनका हाथ कसकर पकड़ा और उन्हें जन्मदिन का केक काटने के लिए कहा। वीडियो में उनकी केमिस्ट्री साफ देखी जा सकती है। हनी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे क्लियोपेट्रा एमा।' वीडियो वायरल होने के बाद नेटिजन्स अटकलें लगाने लगे कि क्या हनी सिंह को एक बार फिर प्यार मिल गया है और क्या दोनों डेटिंग कर रहे हैं?

हनी सिंह की लव लाइफ के बारे में यह पहली बार नहीं हो रहा है जब हनी सिंह अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। इससे पहले साल 2024 में वह आईफा पुरस्कार समारोह में अभिनेत्री हीरा सोहल के साथ हाथों में हाथ डालकर नजर आए। हालांकि, दोनों अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक या सार्वजनिक घोषणा नहीं की। उन्होंने अभिनेत्री टीना थडानी को भी डेट किया, लेकिन ये रिश्ता ज्यादा नहीं चला दोनों अलग हो गए। हनी सिंह की शादी शालिनी तलवार से हुई थी। शादी के 11 साल बाद साल 2022 में दोनों ने तलाक ले लिया।

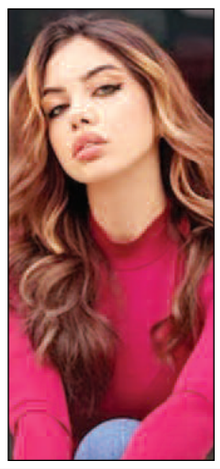

सैफ के साथ काम करना मुश्किल, कुणाल ने बताया ज्वेल थीफ की शूटिंग का अनुभव

सैफ अली खान नेटफ्लिक्स की आगामी एक्शन से भरपूर हीस्ट थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ में एक चालाक चोर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म इस हफ्ते ही रिलीज होने वाली है। वहीं, तेजी से फिल्म का प्रचार भी शुरू हो चुका है। अब इस दौरान जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता हाल ही में अपने फिल्मांकन के अनुभव के बारे में एक मजेदार बातचीत के लिए बैठे। इस दौरान कुणाल के चुटीले अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जयदीप और निकिता ने सेट पर की गई सारी मस्ती को याद किया। फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में कुणाल ने मजाक में दावा किया कि उनका अनुभव बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, अकेलापन इसलिए क्योंकि मैं फिल्म में उनके साथ नहीं हूं, मैं उनका पीछा कर रहा हूं, इसलिए मैं सेट पर अकेला था। ये लोग साथ में खूब मस्ती करते थे। सैफ के साथ काम करने के बारे में पूछे जाने पर कुणाल ने कुछ चुटकुले सुनाए। उन्होंने मजाक में कहा, वह एक दर्द है। उसके साथ काम करना मुश्किल था। वह समय पर नहीं आते थे था और जब आते थे तो उन्हें अपनी लाइन नहीं आती थी और फिर हमें तब तक इंतजार करना पड़ता था, जब तक वह अपनी लाइन नहीं सीख लेते थे। फिर एक के बाद एक टेक।